

: **बीफ बॉक्स :**

सरकार ने बच्चों के पासपोर्ट से जुड़े नियम बदले

15 साल से छोटे बच्चों का पासपोर्ट 5 साल तक वैध, 18 के हुए तो रिन्यू होगा



नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने बच्चों के पासपोर्ट के नियमों में बदलाव किया है। 15 साल से कम उम्र के बच्चों का 36 पेज वाला सामान्य पासपोर्ट जारी होने की तारीख से अब 18 साल की उम्र या 5 साल तक वैध रहेगा। पहले पासपोर्ट वैधता की उम्र 15 साल थी। अगर बच्चा 5 साल पूरे होने से पहले 18 साल का हो जाता है, तो पासपोर्ट की वैधता उसी समय खत्म हो जाएगी। यानी 5 साल या 18 साल की उम्र में से जो पहले आएगा, वही वैधता की अंतिम सीमा होगी। विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट नियम संशोधन नियम, 2026 को 17 सितंबर को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया। इसके जरिए 1980 के पासपोर्ट नियमों में बदलाव किया गया है। 8 साल से कम उम्र के बच्चों और 60 साल से ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन को नए पासपोर्ट आवेदन पर 10% की छूट मिलती रहेगी।

चिप की दुनिया में भारत की धमक

जापान-यूरोप की कंपनियां साथ, किए 16 समझौते; देश में तैयार होगी पूरी व्यवस्था



नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में सेमीकंडक्टर बनाने की तैयारी अब सिर्फ चिप कारखाने लगाने तक सीमित नहीं है। चिप बनाने के लिए जरूरी मशीन, रसायन, सामग्री, गैस और पैकेजिंग तकनीक भी देश में लाने की तैयारी है। सेमीकॉन 2.0 के पहले दिन दुनिया में भारत की धमक भी देखने को मिली। कई भारतीय कंपनियों के साथ दुनिया के दिग्गज सेमीकंडक्टर कंपनियों ने समझौता किया। खासतौर पर टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने जापान, यूरोप, मलेशिया और सिंगापुर की कंपनियों के साथ 16 समझौते किए हैं। चिप से पहले तैयार होगी पूरी व्यवस्था : भारत में इस समय चिप निर्माण की कई परियोजनाएं एक साथ आगे बढ़ रही हैं। गुजरात के धोलेरा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पीएसएससी की करीब 91 हजार करोड़ रुपये की चिप फैक्टरी तैयार हो रही है।

दिल्ली एसआईआर पर 21 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर 21 सितंबर को सुनवाई करने पर सहमति जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई सोमवार को होगी, क्योंकि एसआईआर से जुड़े अन्य मामले भी अगले सप्ताह सूचीबद्ध हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दावा किया कि दिल्ली में करीब 47 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जिनमें से 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने नोटिस पाने वालों के नाम और नाम हटाने के आधार सार्वजनिक नहीं किए हैं।

पाकिस्तान में नमाज के दौरान आत्मघाती हमला, 16 मौतें

आतंकी विस्फोटक से भरी गाड़ी लेकर टकराया, इस साल हमलों में 1000 से ज्यादा मौतें

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहट जिले में शुक्रवार की नमाज के दौरान मस्जिद के पास धमाका हुआ। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में 5 पुलिसकर्मी और 11 आम नागरिक शामिल हैं।धमाका इतना जोरदार था कि मस्जिद के बाहर का हिस्सा पूरी तरह टूट गया। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि पुराने पुलिस लाइंस के गेट पर विस्फोटक से भरी एक गाड़ी टकराई थी।पाकिस्तान में जनवरी से अब तक 990 आतंकी घटनाएं हुई हैं।



उज्जैन में संघ प्रमुख का युवाओं को संदेश

धर्म बांधता नहीं बल्कि मुक्त करता है, बताया रिलीजन से क्यों है अलग

उज्जैन,एजेंसी। उज्जैन के देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्घोष में रिलीजन और धर्म का अंतर बताते हुए स्पष्ट किया कि रिलीजन का अर्थ धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि



कर्मकांड को मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है। बता दें कि इस धर्म संसद में देशभर से लगभग 1,700 युवा छत्र-छत्राएं तथा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य हिस्सा ले रहे हैं।

धर्म ही देता है युवाओं को दिशा... कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाभारत के अंत के पांच लोक पूरी महाभारत का सार हैं। जीवन में धर्म से ही काम, अर्थ और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि धर्म पर रोते-रोते चलने के बजाय यदि इसे समझकर अपनाया जाए, तो जीवन सार्थक हो जाता है। किसी को पीड़ा न देना ही सबसे बड़ा धर्म है और पीड़ा देना महापाप है।

महिला सिलेंडर नहीं उठा सकती कहकर नौकरी नहीं दी थी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इंडियन ऑयल अब 12 लाख का मुआवजा देगा

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) को योग्य महिला उम्मीदवार रही सुमित्रा को 12 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। करीब 38 साल पहले आईओसी ने यह कहकर नौकरी देने से इनकार किया था कि महिला सिलेंडर नहीं उठा पाएगी। महिला अब रिटायरमेंट की उम्र तक पहुंच चुकी है। इसलिए कोर्ट ने उसे नौकरी देने के बजाय 12 लाख रुपए का मुआवजा देना तय किया है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेच ने कॉर्पोरेशन के फैसले से नाराजगी जताते हुए कहा कि केवल महिला होने के आधार पर नौकरी न देना नारीत्व का अपमान है। सुमित्रा ने खलासी, चपरासी या रीफिलिंग हेल्पर के पद के लिए इंटरव्यू दिया था। उन्हें नौकरी नहीं मिली, जबकि अन्य लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर दे दिए गए थे। इसके बाद महिला ने नौकरी



इसलिए नौकरी नहीं दी गई, क्योंकि वह महिला थीं। हालांकि, ट्रायल कोर्ट के फैसले के बाद आईओसी ने अपील की और 6 अगस्त 1993 को प्रथम अपीलीय अदालत ने ट्रायल कोर्ट का फैसला पलट दिया। इसके बाद मामला हरियाणा हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। **'बच्चा महिलाएं घरों में गैस सिलेंडर नहीं उठाती':** इंडियन ऑयल के वकील ने दलील दी थी कि इस काम में भारी LPG सिलेंडर उठाने पड़ते हैं और रात की शिफ्ट होती है, इसलिए शायद अधिकारियों ने महिला को उपयुक्त नहीं माना।

उत्तराखंड में बर्फबारी, केदारनाथ में तापमान माइनस 2डिग्री

● म.प्र.के भोपाल-सीहोर में बारिश ● यूपी में आंधी चली, बिहार में बाढ़ से 50 लाख प्रभावित



नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली के हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई। वहीं, केदारनाथ और रुद्रनाथ में भी ओलों के साथ हल्की बर्फबारी हुई। इससे पहाड़ी इलाकों में तापमान गिरने के साथ ठंड बढ़ गई है। केदारनाथ में आज सुबह तापमान माइनस 2एण्ट रिकॉर्ड किया गया। मध्य प्रदेश में गुरुवार को भोपाल, सीहोर और देवास में तेज बारिश हुई। प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। सितंबर के आखिरी सप्ताह से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 21 सितंबर तक राज्य में बारिश और आंधी का दौर जारी रहेगा।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रुक-रुककर बारिश जारी है। कानपुर में करीब आधे घंटे तक 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। कई पेड़ टूटकर सड़कों पर गिर गए। इसके बाद भारी बारिश हुई। बरेली में भी धूलभरी आंधी चली। करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं से कई पेड़ उखड़ गए। बिहार में मौसम विभाग ने 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम उमस भरा रहने की संभावना है। प्रदेश में बाढ़ से अब तक करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

उद्धव ठाकरे बोले: दिशा सालियान केस से हमारा लेना-देना नहीं

परिवार को बेवजह बदनाम किया जा रहा, कानूनी कार्रवाई करूंगा

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि दिशा सालियान केस को लेकर उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा- इस मामले से हमारा दूर-दूर तक संबंध नहीं है। ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा- मेरा भी नाम है। आपका भी नाम आएगा। मोदी और टुम्प का भी नाम आ सकता है। आखिर नाम क्यों लिया जा रहा है? यह राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। कब तक सहन करते रहेंगे? उन्होंने कहा- बेवजह



केरलम बाल अधिकार आयोग बोला-लंबे बालों पर भेदभाव न करें

● स्कूल ऐसे बच्चों को सजा न दें ● बच्चे पसंद से बाल बढ़ाने के लिए आजाद

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरलम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि बालों की लंबाई के आधार पर बच्चों से भेदभाव न करें। आयोग ने कहा कि लड़के और किसी खास जेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चे अपनी पसंद के अनुसार बाल बढ़ा सकते हैं। स्कूल उन्हें इसके लिए सजा नहीं दे सकते। यह आदेश 17 सितंबर को जारी किया गया जिसमें कहा गया कि बच्चे अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकते हैं। **आयोग ने स्कूलों को कार्रवाई से रोका:** आयोग ने कहा कि स्कूल प्रबंधन लड़कों या ट्रांसजेंडर बच्चों को बालों की लंबाई के कारण मानसिक रूप से परेशान नहीं कर सकते। स्कूल उन्हें क्लास से



बाहर नहीं निकाल सकते। उनके साथ भेदभाव या कोई दूसरी दंडात्मक कार्रवाई भी नहीं की जा सकती। आयोग ने कहा कि स्कूलों को बच्चों की बाहरी शक्ल-सूरत के बजाय उनकी पढ़ाई और व्यक्तिगत विकास को ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए। **दो याचिकाओं पर आया आदेश:** यह आदेश

अमेरिका में सिख ट्रक ड्राइवर को 17 बार चाकू मारा

हमले से कुछ दिन पहले ट्रम के मंत्रालय ने मिस्टर सिंह वाला पोस्ट किया था

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के व्योमिंग में 28 साल के पंजाबी सिख ट्रक ड्राइवर पर 17 बार चाकू से हमला किया गया। उनकी गर्दन, सीने, हाथ और पसलियों पर चोट आई है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान एंड्रयू क्रिस बजडैक के तौर पर की है। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर की कोशिश का आरोप लगाया गया है। हमले से कुछ दिन पहले



ट्रम्प प्रशासन के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने अप्रवासी ट्रक ड्राइवरों पर निशाना साधते हुए 'मिस्टर सिंह' लिखा एक विवादित पोस्ट किया था।

टीएमसी का चुनाव चिह्न और नाम इस्तेमाल करने पर रोक

चुनाव आयोग बोला- तृणमूल के दोनों गुट नए सिंबल चुनें

कोलकाता,एजेंसी। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के 'घास पर दो फूल' वाले चुनाव चिह्न और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। झूझ के दोनों गुटों को नए सिंबल और नाम चुनने को कहा गया है। उन्हें शुक्रवार सुबह तक अपने तीन पसंदीदा नाम और चुनाव चिह्न सौंपने का निर्देश दिया है।

आयोग ने गुरुवार को दिल्ली में दोनों गुटों के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया था। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव है। दोनों गुटों ने एक ही चिह्न पर उम्मीदवार उतारे थे। ऋतुबत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी TMC धड़े से मोहम्मद



सफीउद्दीन शेख रेजीनगर से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, पूर्व सीएम ममता बनर्जी की TMC ने रविवार को नंदीग्राम से सचिता प्रधान (डे) और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया था।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी

चीन में बनी 2 ग्रेनेड, एक पिस्तौल-गोलियां बरामद

4 दिन पहले 3 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में राजौरी पुलिस ने गुरुवार को 4 दिन पहले गिरफ्तार किए गए 3 आतंकी मददगारों के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक पिस्तौल, मैगजीन और गोलियां बरामद की गईं। इसके अलावा 2 चीनी ग्रेनेड भी मिले। दरअसल, पुलिस ने 14 सितंबर को आतंकियों की मदद करने के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी कोट चरवाल के रहने वाले हैं। उनकी पहचान मोहम्मद आजम, जाफिर हुसैन और मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है।

दरअसल, पुलिस ने 14 सितंबर को आतंकियों की मदद करने के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी कोट चरवाल के रहने वाले हैं। उनकी पहचान मोहम्मद आजम, जाफिर हुसैन और मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है।

उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में मदद करते थे। आरोपियों ने 2023 में रियासी के चसाना में मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों की भी मदद की थी। जांच में यह भी पता चला कि उन्होंने कई आतंकी समूहों को रहने की जगह और दूसरी जरूरी मदद दी।

एफआईआर नंबर की जांच के दौरान मॉड्यूल का पता चला... पुलिस के मुताबिक, राजौरी के धरमसाल थाने में दर्ज FIR नंबर 95/2026 की जांच के दौरान इस मॉड्यूल का पता चला। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। उन्होंने आतंकियों को रहने की जगह दी और उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में मदद की।

मैं तो दिशा को जानता भी नहीं: ठाकरे... उद्धव ने कहा कि इस मामले में लगातार नाम घसीटे जा रहे हैं। हम इतने समय तक चुप रहे, क्योंकि सरकार ने खुद इसकी जांच के लिए SAT बनाई थी। हमने उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से जांच करने देने के लिए चुप्पी साधे रखी।

हैं। फिर भी मेरा नाम इसमें घसीटा जा रहा है।

नई गाइडलाइन बनाने का निर्देश... आयोग ने कहा कि राज्य के शिक्षा विभाग या CBSE की ओर से इस मामले में कोई खास गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। इसलिए उचित गाइडलाइन तुरंत तैयार की जाए। गाइडलाइन जारी करने से पहले इन बच्चों की बात भी सुनी जानी चाहिए। आयोग ने अपने निर्देशों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट 45 दिन में जमा करने को कहा है।

दो याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आया। पहली याचिका कोझिकोड के रामनाडुकरा की रहने वाली इंदु मेनन ने दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेंडर-न्यूट्रल होने का दावा करने वाले स्कूल भी लड़कों और ट्रांसजेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चों से भेदभाव करते हैं।

संक्षिप्त समाचार



मानसून की विदाई से पहले मौसम का यू-टर्न, वर्षाबारी से 8.2 डिग्री तक गिरा तापमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की विदाई से पूर्व अचानक अपना मिजाज बदल लिया है। सितंबर के मध्य में ही राज्य के ऊंचे पर्वतीय दरों में सीजन का पहला हिमपात दर्ज किया गया है। प्रदेश में हिमपात और वर्षा के बीच तापमान में 8.2 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। रोहतांग पास, शिकुला, बारालाचा ला और कुंजुम दर्रे में 4 से 6 इंच तक ताजा हिमपात हुआ है, जबकि प्रदेश में कई स्थानों पर मध्यम वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में अभी मौसम तेवर दिखाएगा। शुक्रवार को भी कुछ जगह बारिश की संभावना है। लाहौल-स्पीति और मनाली को जोड़ने वाले प्रमुख दर्रा पर बर्फ जमने से फिसलने का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय चालकों को ऊंचे दर्रा की ओर अनावश्यक यात्रा न करने की सख्त चेतावनी जारी की है। प्रदेशभर में 60 सड़कें और 31 विद्युत ट्रांसफार्मर बाधित हुए हैं। प्रदेश में बंद सड़कों में मंडी जिले में 33 सड़कें, कांगड़ा में 10, कुल्लू में 9 सड़कें बंद हैं जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। जबकि सिरमौर में 30 बिजली के ट्रांसफार्मर बाधित रहे।

627.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज : प्रदेश में 1 जून से 17 सितंबर के दौरान 627.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो सामान्य से 10 प्रतिशत कम है, जबकि सितंबर माह में अब तक 17 दिनों में 78.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो सामान्य से 3 प्रतिशत कम है।

नैना देवी में सबसे ज्यादा बारिश: प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान नैना देवी जी में 86, घाघस में 40, सुंदरनाथ में 37, नाहन में 34, मनाली में 17 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में सबसे अधिक गिरावट कल्पा में 8.2 डिग्री के कारण 14.2, घुंजर में 7.5 डिग्री की गिरावट के कारण 24.1, तांबा में 7.1 डिग्री की गिरावट के कारण 18.5, मंडी में 6 डिग्री जबकि बाकी स्थानों पर दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान में एक से चार डिग्री का अंतर आया है। पालमपुर में न्यूनतम तापमान में 4.5 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि बाकी स्थानों पर एक से दो डिग्री का अंतर आया है।

मानसून को नुकसान का आंकड़ा: प्रदेश में मानसून के दौरान 30 जून से 17 सितंबर के दौरान 3212.84 करोड़ के नुकसान का आकलन किया गया है। लोक निर्माण विभाग को सड़कों और पुलों के कारण 2744.67 करोड़, जबकि जल शक्ति विभाग को 383.57 करोड़ के नुकसान का आकलन किया गया है। 234 मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं।

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में 'नशा मुक्ति एवं माय भारत' पर जागरूकता सत्र

छात्राओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

जयपुर, एजेंसी। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों द्वारा 'नशा मुक्ति एवं माय भारत' विषय पर युवाओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मवीर कटेवा (अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश नशाबंदी समिति, जयपुर एवं सचिव, इंडियन अस्थमा केयर सोसाइटी, अस्थमा भवन, विद्याधर नगर, जयपुर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने छात्राओं को नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने तथा छात्राओं को 100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मवीर कटेवा ने अपने दीर्घकालिक नशा मुक्ति अभियानों के अनुभवों को साझा करते हुये नशा मुक्त राजस्थान-दारु नही, दूध के साथ करे नववर्ष की शुरुआत पहल का विशेष रूप से उल्लेख किया।

अगले वर्ष से छठवीं कक्षा के लिए त्रि-भाषा नीति लागू करने पर विचार करे सीबीएसई: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा व्यवस्था में एक संवेदनशील और दूरगामी कदम उठाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से आग्रह किया है कि वह छठवीं कक्षा के छात्रों के लिए त्रि-भाषा नीति को आगामी शैक्षणिक सत्र 2027 से लागू करने पर गंभीरता से विचार करे। कोर्ट ने यह टिप्पणी बच्चों के मानसिक सुकून और उनकी पढ़ाई में बिना किसी रुकावट के सहज बदलाव को ध्यान में रखते हुए की है।

कोर्ट का यह सुझाव न केवल शिक्षाविदों बल्कि अभिभावकों के बीच भी चर्चा का केंद्र बन गया है। न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि बच्चों को राहत देने के उद्देश्य से इस नीति को अगले शैक्षणिक सत्र से लागू किया जाना चाहिए। हालांकि, यदि वर्तमान छठवीं कक्षा के छात्र स्वेच्छा से इस वर्ष से ही तीन भाषाएं पढ़ना



चाहें, तो उनके लिए यह विकल्प खुला रहना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान सीबीएसई की ओर से पेश अडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने इस सुझाव पर

नीति के क्रियान्वयन के लिए विशेष समिति का गठन: सीबीएसई ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि संबद्ध स्कूलों में त्रि-भाषा ढांचे को सुचारू रूप से लागू करने और उसकी निगरानी के लिए 16 सितंबर को एक विशेष समिति का गठन किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के निदेशक भगवती प्रसाद कलाल की

अध्यक्षता वाली इस उच्चस्तरीय समिति में एनसीईआरटी और केवीएस (केंद्रीय विद्यालय संगठन) के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। यह समिति स्कूलों में भाषा विकल्पों, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता, पाठ्यपुस्तकों और डिजिटल सामग्री की समीक्षा कर रही है ताकि नीति लागू करने में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बदलाव

यह पूरा घटनाक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के तहत स्कूली शिक्षा को अधिक समृद्ध बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। सीबीएसई के पूर्व सचुलर के अनुसार, नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए भी तीन भाषाओं (जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य हैं) का अध्ययन शुरू हो चुका है, जबकि विदेशी भाषा को केवल तीसरे या अतिरिक्त वीथे विकल्प के रूप में ही चुना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस हस्तक्षेप से उम्मीद है कि बच्चों की शिक्षा का स्तर भी ऊंचा उठेगा और उन पर अकादमिक दबाव भी नहीं बढ़ेगा।

नोएडा में तीसरे दिन भी जारी सफाईकर्मियों की हड़ताल, लगा कूड़े का अंबार, बीमारियों का खतरा बढ़ा

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण आवासीय सेक्टरों और सोसायटियों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। बृहस्पतिवार को हड़ताल का तीसरा दिन था और इन तीन दिनों से कोई सफाई कर्मी आवासीय सेक्टरों में कूड़ा उठाने नहीं आया। इसके परिणामस्वरूप सेक्टरों में जगह-जगह कचरे के बड़े पहाड़ जमा हो गए हैं। इस फैली हुई गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कचरा जमा होने से सेक्टरों में इतनी भयानक बदबू आने लगी है कि लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। सफाई कर्मियों की हड़ताल का मुख्य कारण वेतन बढ़ोतरी की मांग,



रुके हुए वेतन का भुगतान और मृतक आश्रितों को नौकरी देने जैसे मुद्दे हैं। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर काम का बहिष्कार कर रहे हैं। हड़ताल के कारण सेक्टरों में सफाई कर्मी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे कचरा डालने के स्थानों पर कचरे की मात्रा में अत्यधिक बढ़ोतरी हो चुकी है।

कैसे हैं हालात: हालात ये हैं कि सड़क किनारे भी गंदगी का अंबार लग गया है। इस गंभीर समस्या से शहर के हजारों निवासी परेशान हैं। निवासियों

उनके सेक्टर में करीब पांच सौ परिवार निवास करते हैं। इसी तरह, सेक्टर 105 के निवासी दीपक शर्मा ने बताया कि सफाईकर्मियों के न आने से गंदगी बढ़ गई है, जिससे 20 हजार से अधिक लोग प्रभावित हो रहे हैं। शहर के अन्य हिस्सों में भी कूड़े के बड़े ढेर लगे हैं। सेक्टर 12 के अध्यक्ष डा. तरसेम चंद ने स्थिति की गंभीरता बताई। यह पहली बार नहीं है जब शहर में ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। इससे पहले भी सफाईकर्मियों की हड़तालें हो चुकी हैं। अब आम लोगों का सवाल है कि कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान कब होगा।सेक्टर 22 के एच ब्लाक अध्यक्ष प्रदीप वोहरा ने बताया कि उनके सेक्टर के 12 ब्लाकों में लगभग 15 हजार लोग सफाई व्यवस्था बाधित होने से बुरी तरह परेशान हैं।



बाढ़ का खतरा

बनाया गया। बताया गया है कि कुवारी गांव करीब 2350 मीटर की ऊंचाई पर शंभू नदी के दहिने किनारे स्थित है। यहां पहला बड़ा भूस्खलन जून 2013 में केदारनाथ आपदा के दौरान हुआ। जून 2014, नवंबर 2016, अप्रैल 2017 तथा अप्रैल-जून 2022 में फिर भूस्खलन की सक्रियता हुई। मार्च 2013 में भूस्खलन 500-600 मीटर लंबा था और जून 2013 के बाद 965 मीटर हो गया। वर्ष 2018 में फिर भूस्खलन शुरू हुआ, जो बाद में मुख्य हिस्से से मिला। वर्ष 2023 और 2024 में भी अचानक भूस्खलन हुआ और अक्टूबर

2024 तक चार सक्रिय भूस्खलन अस्तित्व में आ गए। वर्तमान भूस्खलन क्षेत्र करीब 0.95 वर्ग किमी है।

भूस्खलन के साथ बढ़ता गया झील का आकार: झील वर्ष 2017 में 500 मीटर, 2022 में 885 मीटर और 2024 की घटना के बाद 1130 मीटर हुई। नदी रोकने वाला मलबा का अवरोध करीब 60 मीटर चौड़ा, 58 मीटर लंबा और 40 मीटर ऊंचा है। इसका क्षेत्र करीब 10,000 वर्ग मीटर है और पानी के बहाव से यह आंशिक रूप से कट चुका है। अध्ययन में इस अवरोध को अस्थिर भी बताया गया है।

पांच मिनट की गूगल मीट कॉल में 80 नौकरियां खत्म: अमेरिकी कंपनी ने पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम हटाई, वजह क्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी ब्लू वाइन ने महज पांच मिनट की गूगल मीट कॉल में 80 लोगों की अपनी पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को ही निकाल बाहर किया है। आर/इंडिया वर्कस्पेस कम्प्युनिटी में एक प्रभावित कर्मचारी ने अपना दर्द साझा करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी है। कर्मी ने बताया कि छंटनी वाले दिन मैनेजमेंट ने सभी 80 कर्मचारियों को ऑफिशियल कारणों (कामकाजी वजहों) का हवाला देकर ऑफिस आने के बजाय घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करने के लिए कहा था। कर्मचारी अपनी शाम 6:30 बजे की सामान्य शिफ्ट कर रहे थे। शिफ्ट शुरू होने के ठीक 3 घंटे बाद, रात 9:30 बजे अचानक पूरी टीम को एक गूगल मीट लिंक के जरिये वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने को कहा गया। मीटिंग शुरू होते ही सीनियर मैनेजमेंट ने बिना किसी पूर्व चेतावनी या नोटिस के सीधे तौर पर कह दिया कि पूरी भारतीय कस्टमर सर्विस टीम को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जा रहा है। यह पूरी बातचीत महज 5 मिनट में खत्म हो गई। प्रबंधन ने कथित तौर पर प्रदर्शन से जुड़ी समस्याओं (परफॉरमेंस इश्यू) और अपेक्षाओं के अनुरूप आउटपुट न मिलने का हवाला दिया है। प्रभावित कर्मचारियों ने इन आरोपों को नकारा है और सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की है।

डिजिटल बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है कंपनी: अमेरिकी कंपनी डिजिटल बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता है। यह अमेरिका में छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों को बैंकिंग, लोन और पेमेंट जैसी वित्तीय सेवाएं देती है। इस कंपनी का मुख्यालय न्यू जर्सी में है। कंपनी में वैश्विक स्तर पर करीब 1,000 कर्मचारी हैं। भारत में काम कर रही इसकी पूरी कस्टमर सपोर्ट यूनिट में 80 कर्मचारी थे, जिन्हें एक साथ इस कॉल के जरिये निकाला गया। एक्सप्रेस तुरंत ब्लांक किया : जैसे ही 5 मिनट की गूगल मीट खत्म हुई, कर्मचारियों के ऑफिशियल ईमेल, व्हाट्सएप और कंपनी के अन्य सभी सिस्टम के एक्सेस तुरंत बंद कर दिए गए। उन्हें अपनी बात रखने का मौका भी नहीं मिला। एआई बना छंटनी की वजह : कंपनी ने हाल ही में कॉल और ईमेल सपोर्ट के लिए एआई टूल्स को लागू किया था, जिसके बाद इसीनी कॉल्स के वॉल्यूम में 30% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। बचे हुए काम को संभालने के लिए कंपनी ने किसी बाहरी थर्ड-पार्टी वेंडर को काम सौंप दिया है, जिससे उन्हें इन पक्के कर्मचारियों की जरूरत नहीं रही। प्रभावित कर्मचारी ने अपनी पोस्ट में लिखा, सभी 80 कर्मचारी। सब चले गए... सिर्फ एक 5 मिनट की कॉल से 80 परिवार प्रभावित हुए हैं।

रियाद को 48 एफ-35 देगा अमेरिका: हूती-सऊदी तनाव के बीच ट्रंप प्रशासन ने उठाया बड़ा कदम; चीन पर भी नजर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन ने सांसदों से कहा कि वे सऊदी अरब को 48 एफ-35 की बिक्री को मंजूरी दें। इस सौदे की अनुमानित लागत 24.3 अरब डॉलर है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'इस प्रस्तावित बिक्री से अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लक्ष्यों को समर्थन मिलेगा। इससे एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी की सुरक्षा मजबूत होगी। यह देश खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए एक ताकत है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि ये अमेरिका के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं। इनकी बिक्री से 'क्षेत्र में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा'। अमेरिका ने यह बात अपनी लंबे समय से चली आ रही नीति के तहत कही है। इस नीति के अनुसार, पश्चिम एशिया क्षेत्र में दुश्मनों के मुकाबले इस्तेमाल के पास सैन्य बढ़त होनी चाहिए।



उन्होंने मारीब के ऊपर एक सऊदी एफ-15 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। मारीब यमन का एक अहम शहर है। यहां हूती विद्रोही सऊदी समर्थित यमनी सरकार की सेना लड़ रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने एक वीडियो भी जारी किया। इसमें शहर में लड़के जलते हुए मलबे के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। मलबा अमेरिकी कंपनी का बनाया हुआ एफ-15 लड़ाकू विमान बताया गया। उस पर सऊदी अरब के निशान दिखाई दे रहे थे। हूती विद्रोहियों का दावा है कि विमान को 'स्थानीय एशिया क्षेत्र में दुश्मन से हवा में मार करने वाले मिसाइल से गिराया गया। अगर यह दावा सही है, तो इससे क्षेत्र में युद्ध लड़ने की हूती विद्रोहियों की क्षमता में बड़ा बदलाव माना जाएगा। अब तक यमन में सऊदी अरब की

सेना को हवा में बढ़त हासिल रही है। उसने पड़ोसी देश यमन में हवाई हमले करने की अपनी क्षमता पर काफी भरोसा किया है। सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच लड़ाई गुरुवार को और तेज हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस संघर्ष में पांच लोगों की मौत हुई। इनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। सऊदी अरब ने लंबे समय से वाशिंगटन से कहता रहा है कि वह हूती लड़कों के साथ उसके संघर्ष में सीधे तौर पर भूमिका निभाए। लेकिन अमेरिका ने कहा है कि वह इस संघर्ष में सीधे हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह संघर्ष ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों, सऊदी अरब और सऊदी समर्थित यमनी सरकार के बीच है।

चीन को लेकर अमेरिका की चिंता क्या है: वाशिंगटन को इन विमानों को लेकर चीन की संभावित जासूसी की भी चिंता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस हथियार की कि अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने इसकी आशंका जताई है। बीजिंग सऊदी अरब के साथ अपनी साझेदारी के जरिये एफ-35 की तकनीक हासिल कर सकता है। अमेरिकी काँग्रेस (संसद) के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने इसी आधार पर इस सौदे का विरोध किया।

अमेरिका को छोड़ हजारों किमी दूर यूरोप से क्यों गठबंधन बना रहा कनाडा, 'खास सदस्य' बनने का क्या

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय आयोग (ईसी) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने हाल ही में कहा है कि वह सहयोगी के तौर पर कनाडा को यूरोपीय संघ (ईयू) से जोड़ने के दरवाजे खोलना चाहती हैं। उर्सुला के मुताबिक, यह कदम कनाडा को ईयू का पूर्ण सदस्य बनाए बिना एक सहयोगी सदस्य का दर्जा देगा, जो कि दोनों के संबंधों में एक खास पहल होगी। मजेदार बात यह है कि पड़ोसी अमेरिका से लगातार खराब होते रिश्तों के बीच कनाडा के राष्ट्रपति मार्क कार्नी ने भी स्वीकार किया कि वह यूरोपीय संघ के साथ करीबी रिश्तों के मौके तलाश रहे हैं, वह भी देश को यूरोपीय संघ का पूर्ण सदस्य बनाए बिना। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कनाडा के राष्ट्रपति का दिया यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोपीय संघ में फिलहाल 27 सदस्य हैं और यह सभी पूर्ण और स्थायी हैं। हालांकि, कनाडा को पहली बार



ईयू के सहयोगी सदस्य के तौर पर इस गठबंधन से जुड़ने की पेशकश हुई है, जो अपने आप में खास है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ईयू का महासागर के पार हजारों किलोमीटर दूर स्थित किसी देश को 'सहयोगी

सदस्य' बनाने का प्रस्ताव क्या है और इसके अंतर्गत कनाडा से उसके रिश्ते कैसे होंगे? कनाडा इसके जरिए ईयू से क्या चाहता है? क्यों यह स्थिति दोनों ही पक्षों के लिए जटिल हो सकती है? अमेरिका ने अपने पड़ोसी देश को

इस प्रस्तावित व्यवस्था का न्योता मिलने पर क्या कहा है यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन को तर्फ से कनाडा को सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के मकसद से पेश किया गया है। खासकर ऐसे समय में जब डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की वजह से यूरोपीय संघ और कनाडा दोनों के ही अमेरिका से रिश्ते तनावपूर्ण हुए हैं। न्यूज एजेंसी- रॉयटर्स के मुताबिक, यूरोपीय संघ अब कनाडा के साथ एक साझा समृद्धि और आर्थिक क्षेत्र का निर्माण करना चाहता है। इसमें अहम खनिजों, रक्षा औद्योगिक क्षमता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कंप्यूटिंग, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरिक्ष, और डिजिटल व्यापार में गहरा सहयोग शामिल है। दोनों पक्ष एक ऐसी व्यवस्था पर भी विचार कर रहे हैं जिससे

कनाडाई नागरिकों को बिना वीजा के यूरोप में रहने और काम करने की सुविधा मिल सके। इसका मकसद अमेरिका और चीन के आर्थिक वर्चस्व का मुकाबला करना और लोकतंत्र, खुले बाजारों और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा का होगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा, ईयू की पूर्ण सदस्यता नहीं मांग रहा है, बल्कि वह एक अद्वितीय गठबंधन बनाना चाहते हैं, जो कनाडा की संप्रभुता को मजबूत करे। कार्नी का कहना है कि गठबंधन को क्या नाम दिया जाता है, उससे ज्यादा अहम सहयोग की वास्तविकता होगी।

1. यूरोपीय संघ में सहयोगी सदस्य जैसा ढांचा ही नहीं : मौजूदा समय में यूरोपीय संघ की सदस्यियों में 'सहयोगी सदस्य' जैसा कोई कानूनी दर्जा या स्थापित ढांचा मौजूद नहीं है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में सेवा संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ

आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में विधायक रीती पाठक ने विद्यार्थियों को दिलाया सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सीधी विधायक रीती पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रीती पाठक सहित उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, सेवा और संवेदनशीलता की भावना से जुड़ने का संदेश दिया गया आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में विद्यार्थियों और महाविद्यालय परिवार ने सामाजिक संरोकारों को



मजबूत करने तथा समाज के वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सेवा के लिए अपना संकल्प व्यक्त किया।

भारतीय संस्कृति में वरिष्ठजनों के सम्मान का विशेष महत्व: मुख्य अतिथि विधायक रीती पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति

और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वरिष्ठजन अपने अनुभव और जीवन मूल्यों के माध्यम से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं। इसलिए युवाओं का दायित्व है कि वे वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और सेवा की भावना बनाए रखें उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करना नहीं बल्कि समाज के प्रति अपने

दायित्वों को समझना भी है युवा यदि सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ें तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है विधायक ने कहा कि युवा पीढ़ी देश और समाज की महत्वपूर्ण शक्ति है विद्यार्थियों में ऊर्जा, क्षमता और नई सोच होती है इनका सकारात्मक दिशा में उपयोग कर सामाजिक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों ने लिया सेवा का संकल्प: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार ने वरिष्ठजनों के प्रति

सम्मान और सेवा-भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को परिवार और समाज में वरिष्ठजनों के महत्व को समझने तथा उनके अनुभवों से सीख लेने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए नई पीढ़ी और वरिष्ठजनों के बीच संवाद एवं सम्मान की भावना आवश्यक है वरिष्ठजनों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के समन्वय से सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को सेवा कार्यों से जोड़ने पर जोर दिया गया।

सेवा और सामाजिक संरोकारों से जुड़ें युवा: महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक

संवेदनशीलता, संस्कार और सेवा भावना का विकास करना रहा अभियान के माध्यम से युवाओं को समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश दिया गया महाविद्यालय परिवार ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सामाजिक मूल्यों से जोड़ना आवश्यक है सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने में सहायक होते हैं कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी डॉ. अनिल सिंह ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोही प्राथमिक विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता की जांच, कमिश्नर ने दिए सुधार के निर्देश

मीडिया ऑडीटर,मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह और कलेक्टर मती बिदिशा मुखर्जी ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय लोही का निरीक्षण किया अधिकारियों ने विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अध्ययन-अध्यापन की स्थिति और उपलब्ध शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया इस दौरान कमिश्नर ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली कमिश्नर सिंह ने विद्यार्थियों से स्कूल में दर्ज छात्रों की संख्या, पाठ्य पुस्तकों के वितरण और पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली उन्होंने विद्यार्थियों से पाठ भी पढ़वाया और उनके शैक्षणिक स्तर का परीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों की सीखने की क्षमता के अनुसार शिक्षण व्यवस्था विकसित की जाए और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त प्रयास: कमिश्नर ने कमजोर और होनहार विद्यार्थियों को अलग-अलग बैठकर उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण कार्य कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता की निगरिमत निगरानी की जाए और कमजोर विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या कम पाए जाने पर कमिश्नर ने संकुल प्राचार्य को ग्राम के अभिभावकों से संवाद करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि पालकों को शासकीय विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जानकारी देकर बच्चों को शासकीय स्कूलों में पढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाए।

अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश: निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं पाए जाने पर कमिश्नर सिंह ने संकुल प्राचार्य चुनवारा सत्येंद्र सिंह और बीआरसी आनंद शुक्ला का एक-एक इंफ्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए वहीं डीपीसी दिवाकर तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

मधुगांव में हाथियों का उत्पात, 12 से ज्यादा किसानों की धान की फसल रौंदी बाड़ी और बाउंड्री भी क्षतिग्रस्त, वन विभाग की टीम ने संभाला मोर्चा



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट थाना क्षेत्र के मधुगांव गांव में शुक्रवार दोपहर जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। करीब दो बजे अचानक गांव के खेतों में पहुंचे हाथियों ने कई किसानों की धान की खड़ी फसल को पैरों तले कुचल दिया हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने 12 से अधिक किसानों की फसल

को नुकसान पहुंचाया है इसके अलावा कई किसानों की बाड़ी और बाउंड्री भी क्षतिग्रस्त हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड अचानक खेतों की ओर आ गया और धान की फसल को रौंदते हुए आगे बढ़ने लगा जिस समय हाथी खेतों में पहुंचे, उस दौरान धान की फसल में बालियां आ रही थीं किसान अच्छी पैदावार की उम्मीद लगाए हुए थे लेकिन हाथियों के झुंड ने कुछ ही समय में खेतों में

खड़ी फसल को काफी नुकसान पहुंचा दिया हाथियों के गुजरने वाले रास्ते में आने वाली फसल पूरी तरह कुचल गई।

12 से ज्यादा किसानों की फसल प्रभावित: ग्रामीण सूर्यधान साकेत ने बताया कि उनके खेत के साथ रामबहादुर प्रजापति सहित करीब 10 अन्य किसानों के खेतों में लगी धान की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है ग्रामीणों के मुताबिक आसपास के अन्य किसानों की फसल भी प्रभावित हुई है खेतों में नुकसान के साथ बाड़ी और बाउंड्री को भी हाथियों ने तोड़ दिया।

सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम: हाथियों के गांव में पहुंचने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी शुरू की वनकर्मी लगातार क्षेत्र में

गश्त कर रहे हैं और ग्रामीणों को हाथियों से दूरी बनाए रखने तथा सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है।

आबादी से दूर खदेड़ने का प्रयास: डिप्टी रेंजर राजेंद्र यादव ने बताया कि वन विभाग की टीम हाथियों के झुंड पर लगातार नजर रख रही है। हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर पहाड़ी इलाके की ओर भेजने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने बताया कि हाथियों के कारण किसानों की फसल को नुकसान हुआ है नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद फसल एवं अन्य संपत्ति को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन किया जाएगा फिलहाल वन विभाग की टीम हाथियों की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। चाहे तो इसे भी और ज्यादा दमदार स्थानीय अखबार शैली में 5 वैकल्पिक हेडिंग और 2 लाइन की लीड के साथ भी तैयार कर सकता हूं।

सीधी में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर विरोध प्रदर्शन, पुतले का प्रतीकात्मक दहन

सवर्ण समाज के युवाओं ने एक घंटे बिजली बंद रखकर जताई नाराजगी, नीतियों और कानूनों के विरोध का दावा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुस्सारा को सीधी में सवर्ण समाज से जुड़े युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया प्रदर्शनकारियों ने शाम 6 से 7 बजे तक अपने घरों की बिजली बंद रखी। इसके बाद रात में रामगोविंद पैलेस के पास प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के पुतले का प्रतीकात्मक दहन किया गया प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि सरकार की कुछ नीतियों और कानूनों को लेकर उनकी असहमति का प्रतीक है।



की अपील के विरोध में बिजली बंद: प्रदर्शनकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा की ओर से शाम 6 से 7 बजे तक घरों में का दीया जलाने की अपील की गई थी। इसके विरोध में सवर्ण समाज से जुड़े लोगों ने इसी समय

अपने घरों की बिजली बंद रखी प्रदर्शनकारियों ने बताया कि एक घंटे तक बिजली बंद रखने का उद्देश्य सरकार की नीतियों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराना था उनका दावा है कि जिले के कई लोगों ने इस विरोध में हिस्सा लेते हुए शाम 6 से

7 बजे तक घरों की लाइट बंद रखी प्रदर्शनकारियों ने इसे अपने स्तर पर शांतिपूर्ण तरीके से असहमति जताने का माध्यम बताया।

पहले पुतले की आरती, फिर किया प्रतीकात्मक दहन: गुस्सारा रात करीब 8 से 9 बजे के बीच प्रदर्शनकारी रामगोविंद पैलेस के पास एकत्र हुए। यहाँ एक खेपे के पास प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी का पुतला तैयार किया गया पुतले को नीले कपड़े में लपेटा गया था प्रदर्शनकारियों ने पहले पुतले की आरती उतारी और इसके बाद आरती के लिए जलाए गए दीपक अभियान अर्थात् प्रतीकात्मक दहन किया इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने

सरकार की नीतियों और कानूनों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की कार्यक्रम में करीब 30 से 40 लोगों के शामिल होने की बात प्रदर्शनकारियों ने कही।

एससी-एसटी कानून और सूजीसी प्रावधानों को लेकर नाराजगी: समाजसेवी शत्रुघ्न पांडे ने कहा कि सवर्ण समाज सरकार की कुछ नीतियों और कानूनों का विरोध कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नीतियों और कानूनी प्रावधानों के कारण सवर्ण समाज को नुकसान हो रहा है प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से एससी-एसटी कानून और सूजीसी से जुड़े कुछ प्रावधानों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा-सीधी मार्ग पर स्थित प्रेश की सबसे लंबी मोहनिया टनल में एक बार फिर जालेवा स्टंट का वीडियो सामने आया है शुक्रवार को सामने आए वीडियो में एक युवक चलती बाइक पर खड़े होकर स्टंट करता नजर आ रहा है युवक ने बाइक चलाते हुए सीट से उठकर उसके ऊपर खड़ेहोकर कुछ दूरी तक बाइक दौड़ा और हाथ लहराते हुए वीडियो

बनवाया। बाद में इस वीडियो को इंटरग्राम आईडी पर पोस्ट किया गया वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक की पहचान और तलाश शुरू कर दी है टनल में इस तरह स्टंट करने से युवक के साथ-साथ दूसरे वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती थी वायरल वीडियो मेंदिखाई दे रहा है कि युवक मोहनिया टनल के भीतर बाइक चला रहा है कुछ दूरी तय करने के बाद वह बाइक की सीट से

उठकर उसके ऊपर खड़ा हो जाता है इसके बाद वह दोनों हाथों को लहराते हुए बाइक को आगे बढ़ता रहता है युवक कुछ दूरी तक इसी स्थिति में बाइक चलाता दिखाई दे रहा है। टनल के अंदर उसी दौरान अन्य वाहन भी आवाजाही कर रहे थे ऐसे में बाइक का संतुलन बिगड़ने या अचानक किसी वाहन के सामने आने पर गंभीर हादसा हो सकता था युवक की इस हकत से सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों के लिए भी खतरा पैदा हो सकता था। बताया गया कि युवक ने स्टंट का वीडियो बनाकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया था सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस के सज्जन में मामला आया पुलिस अब वीडियो के आधार पर युवक की पहचान करने में जुड़े है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सतना-मैहर लोकसभा क्षेत्र के दिव्यांगजनों और श्रमिकों के लिए 19 सितंबर को वृहद दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे बीटीआई मैदान, रीवा रोड सतना में होगा मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम एवं रोजगार विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे सम्मेलन की अध्यक्षता सांसद गणेश सिंह करेंगे कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सहित सतना एवं मैहर जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। सम्मेलन के दौरान संसदीय कार्यालय और समाज कल्याण विभाग में पंजीकृत दिव्यांगजनों में से चयनित 590 हितग्राहियों को भारत सरकार की ओएनजीसी के सीएसआर मद से नि:शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की जाएगी इसके अलावा दिव्यांगजनों की आवश्यकता के अनुसार अन्य सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे आयोजकों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग देना है पात्र हितग्राहियों को कार्यक्रम के दौरान ही उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

सम्मेलन में मेडिकल कैंप भी लगेगा: दिव्यांग सेवा एवं श्रमिक सम्मेलन के दौरान मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया जाएगा। शिविर में जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था रहेगी।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर का आयोजन मानस भवन, सीधी में किया

गया शिविर में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक रीती पाठक की उपस्थिति में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए कार्यक्रम का

उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना रहा।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना है उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि शिविरों के माध्यम से आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करें और पात्र हितग्राहियों को

योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास एवं जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं सरकार की योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करना जनविश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है सांसद ने बताया कि प्रदेश में 7 अगस्त से प्रत्येक शुक्रवार मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान संचालित किया जा रहा है जो 8 जनवरी तक चलेगा। इसी क्रम में 17 सितंबर

से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान भी संचालित किया जा रहा है उन्होंने अभियान के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर संपर्क और शिविर आयोजित करने पर जोर दिया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास पर जोर: विधायक रीती पाठक ने कहा कि शासन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि योजनाएं

तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे विधायक ने वार्ड स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने तथा पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने की बात कही उन्होंने शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और आयुष्मान योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।

सुविधा के साथ शुल्क का संतुलन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने

वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी

बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है।

लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगाता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज

जब साइबर फ्रॉड के मामले में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो

जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के

लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161. 69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक बिल्कल पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह ध्रुम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भर शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता।सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक ‘लाइक’, एक एमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंथा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है।सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अमूर्तपूर्व बंध दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अन्जाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अवसर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विवशनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है। समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है। असहमति होते ही बहस व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाती है। विचारों का आदान प्रदान धीरे-धीरे विचारों की टकराहट में बदलने लगता है। इससे सामाजिक विश्वास कमजोर होता है। यहां यह समझना आवश्यक है कि समस्या सोशल मीडिया स्वयं नहीं है। तकनीक एक साधन है, उसका उपयोग उसे उपयोगी या नुकसानदेह बनाता है। सोशल मीडिया ने आपदा के समय सहायता पहुंचाने, ज्ञान साझा करने, रोजगार और व्यवसाय के अवसर पैदा करने तथा दूर रह रहे परिवारों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब पैदा होती है जब साधन जीवन का विकल्प बनने लगे।

कुमार कृष्ण

सवाल जितना सीधा है, उसका जवाब उतना ही जरूरी। यदि सोन बेसिन में सचमुच इतना अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो गया है तो बिहार के खेत अब भी पानी के लिए क्यों तरस रहे हैं? नहरें अपनी पूरी क्षमता से क्यों नहीं चल रही? सिंचाई परियोजनाएं पानी की प्रतीक्षा क्यों कर रही हैं? और यदि यह पानी वास्तव में उपलब्ध और उपयोग योग्य नहीं है तो उसे ‘अतिरिक्त जल’ मानकर भविष्य की हिस्सेदारी के सवाल में क्यों लाया जा रहा है?

31 अगस्त 2026 को बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी जल बंटवारे का समझौता हुआ। नई दिल्ली में हुए इस समझौते के तहत अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे 7.75 एमएएफ पानी में से बिहार को 5.75 एमएएफ और झारखंड को 2 एमएएफ देने पर सहमति बनी। इससे झारखंड गठन के बाद करीब ढाई दशक से चले आ रहे विवाद को समाप्त करने का रास्ता खुला है। यह समझौता जरूरी था। 2000 में झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद पुराने बिहार के हिस्से के पानी का नए राज्य के साथ बंटवारा कैसे हो, यह सवाल लगातार बना रहा। अब दोनों राज्यों ने अपने हिस्से तय कर लिए हैं। लेकिन समझौते पर हस्ताक्षर होते ही असली सवाल खत्म नहीं होता, शुरू होता है।

क्योंकि नदी में पानी होना और किसान के खेत में पानी पहुंचना एक बात नहीं है।

नदी में बहने वाला कुल पानी, बैराज तक पहुंचने वाला पानी, बैराज से छोड़ा गया पानी, नहर में जाने वाला पानी और अंततः खेत तक पहुंचने वाला पानी—इन सबके बीच अंतर है। सरकारी कागज में दर्ज जल उपलब्धता और किसान के खेत में उपलब्ध पानी के बीच यही दूरी हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विडंबना है। सुधाकर सिंह के पत्र में बिहार जल संसाधन विभाग के 20 अगस्त 2026 के एक पत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि 1973 में 14.25 एमएएफ की उपलब्धता के मुकाबले अब 19.6335 एमएएफ पानी उपलब्ध बताया जा रहा है। यदि यह आंकड़ा सही है तो इसकी वैज्ञानिक पड़ताल जरूरी है। पानी बड़ा कैसे? वर्षा बढ़ी? जलग्रहण क्षेत्र बढ़ला? नदी के प्रवाह में परिवर्तन आया? कोई नया स्रोत गणना में जुड़ा? या ऐसे बहाव भी की उपलब्ध जल में जोड़ दिया गया जिसे सिंचाई के लिए नियंत्रित करना संभव नहीं?

यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि पानी का हर आंकड़ा खेत का पानी नहीं होता।

इंद्रपुरी बैराज पर एससीएडिए जैसी प्रणालियों से आने वाले प्रवाह के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं, लेकिन नदी में किसी समय आया पूरा पानी सिंचाई योग्य पानी नहीं बन जाता। तेज बाढ़ के दौरान आया बहाव, अनियंत्रित अतिरिक्त प्रवाह या ऐसी मात्रा जिसे बैराज और नहर प्रणाली संभाल न सके, उसका हिसाब अलग होना चाहिए। सुधाकर सिंह के पत्र में ‘अनर्मेज्ड सरप्लस डिस्चार्ज’ को इसी दृष्टि से अलग करने की मांग की गई है।

यह तकनीकी शब्दावली सुनने में भले इंजीनियरिंग की लगे, लेकिन इसका असर किसान की जमीन पर पड़ता है। अगर ऐसा पानी भी नियमित सिंचाई योग्य उपलब्धता में जोड़ दिया गया जो वास्तव में खेत तक पहुंच ही नहीं सकता, तो



कागज पर पानी बढ़ेगा और खेत की प्यास वहीं रहेगी। इसलिए असली सवाल यह नहीं है कि पानी का आंकड़ा किसने दिया। सवाल यह है कि उस आंकड़े में पानी की परिभाषा क्या है। 1973 में सोन जल बंटवारे की व्यवस्था बनी थी। उस समय मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच कुल 14.25 एमएएफ पानी का प्रावधान था और अविभाजित बिहार का हिस्सा 7.75 एमएएफ था। आज उसी हिस्से का बिहार और झारखंड के बीच पुनर्विन्‍यास हुआ है। लेकिन 1973 की परिस्थितियां और 2026 की परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं।

आबादी बढ़ी है। सिंचाई की जरूरत बढ़ी है। शहरों और उद्योगों की पानी की मांग बढ़ी है। ऊर्जा क्षेत्र की नई जरूरतें सामने हैं। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा का स्वभाव बदला है। कम समय में बहुत अधिक बारिश और लंबे समय तक सूखा—दोनों स्थितियां अब जल प्रबंधन को चुनौती दे रही हैं। ऐसे में पुराने आंकड़े को बिना पुनर्मूल्यांकन के स्थायी सत्य मानना ठीक नहीं, लेकिन नए आंकड़े को बिना स्वतंत्र वैज्ञानिक जांच के अंतिम सत्य मान लेना भी उतना ही खतरनाक है। सोन का पानी कई राज्यों और कई समाजों से जुड़ा है। बिहार के लिए यह रहेताशन, कैम्पूर, भोजपुर, बक्सर, औरंगाबाद, अरवल, गया और आसपास के इलाकों की कृषि का सवाल है। सोन नहर प्रणाली ने इस इलाके की खेती को दशकों तक सहारा दिया है। लेकिन नहर तक पानी पहुंचना और नहर की टेल तक पानी पहुंचना दो अलग बातें हैं। किसान को सरकारी घोषणा नहीं, खेत की मेड़ पर पानी चाहिए।

इसलिए नए समझौते की सफलता का पैमाना यह नहीं हो सकता कि बिहार को 5.75 एमएएफ और झारखंड को 2 एमएएफ मिल गया। असली सवाल यह है कि इनमें से

कितना पानी वास्तव में इस्तेमाल हुआ और कितना खेत तक पहुंचा।

यहीं एक स्वतंत्र सोन जल लेखा-परीक्षा की जरूरत है। सोन बेसिन में बारिश कितनी हुई, जलग्रहण क्षेत्र से कितना पानी आया, जलशयों में कितना जमा हुआ, इंद्रपुरी बैराज में कितना प्रवाह आया, कितना छोड़ा गया, नहरों में कितना गया और किसानों तक कितना पहुंचा—इन सभी आंकड़ों को एक साथ रखकर देखा जाना चाहिए। पानी का हिसाब केवल नदी के मुहाने पर नहीं, खेत की मेड़ पर भी होना चाहिए।

यह डेटा सार्वजनिक होना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, जल विशेषज्ञों, किसान संगठनों और प्रभावित इलाकों के प्रतिनिधियों को उसे देखने और जांचने का अधिकार होना चाहिए। पानी के बंटवारे का भरोसा तभी बनेगा जब पानी के आंकड़े भी सार्वजनिक भरोसे में होंगे। झारखंड के साथ न्याय भी इसी पारदर्शिता से संभव है। झारखंड को अपने खेतों, गांवों और विकास के लिए पानी चाहिए। बिहार को भी चाहिए। दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना आसान राजनीति है, लेकिन सही जल नीति नहीं। एक ही नदी के पानी पर दो राज्यों की जरूरतें हैं तो समाधान भी साझा वैज्ञानिक समझ पर होना चाहिए।

इसके साथ नदी का अपना हिस्सा भी बचाना होगा। नदी में बचा पानी बेकार पानी नहीं है। वह मछलियों, जलीय जीवों, भूजल पुनर्भरण और नदी की प्राकृतिक धारा के लिए जरूरी है। यदि उपलब्ध पानी का पूरा हिसाब केवल सिंचाई, उद्योग और ऊर्जा की जरूरत से होगा तो नदी के पर्यावरणीय प्रवाह का हिसाब कौन रखेगा? भविष्य की नई जल मांगों पर भी यही पारदर्शिता जरूरी है। सुधाकर सिंह के पत्र में उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित कुछ पन्ड-स्टोरज परियोजनाओं की जल जरूरतों का उल्लेख किया गया है। इन दावों की स्वतंत्र

तकनीकी जांच होनी चाहिए। किसी भी नई परियोजना को पानी देने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि उसका जल स्रोत क्या है, उसकी मांग पहले से तय हिस्सेदारी को कैसे प्रभावित करेगी और उसका असर कृषि तथा पर्यावरण पर कितना पड़ेगा। आखिर पानी कोई ऐसा संसाधन नहीं जिसे एक बार कागज पर बांट देने के बाद हमेशा के लिए खत्म मान लिया जाए। बारिश बदलती है, नदी बदलती है, जरूरतें बदलती हैं। इसलिए जल समझौते में केवल हिस्सेदारी नहीं, पुनर्मूल्यांकन, पारदर्शी निगरानी और कम प्रवाह की स्थिति में स्पष्ट नियम भी होने चाहिए।

और यहीं से सत्ता की जवाबदेही शुरू होती है।

सरकारें समझौता कर सकती हैं। मंत्री घोषणा कर सकते हैं। अधिकारी आंकड़े जारी कर सकते हैं। लेकिन किसान के लिए इन सबका अर्थ तभी है जब नहर में पानी आए और खेत में फसल खड़ी हो।

इसलिए सरकारों को अब केवल यह नहीं बताना चाहिए कि बिहार को कितना पानी मिला और झारखंड को कितना। उन्हें यह भी बताना होगा कि सोन में उपलब्ध पानी की गणना किस वैज्ञानिक आधार पर हुई; 14.25 एमएएफ से 19.6335 एमएएफ तक पहुंचने का आधार क्या है; उसमें कितना पानी वास्तव में सिंचाई योग्य है; कितना पानी अनियंत्रित बहाव में चला जाता है; बिहार के हिस्से के 5.75 एमएएफ में से कितना पानी खेतों तक पहुंचता है और कितना रास्ते में छूट जाता है। अगर पानी उपलब्ध है तो खेत प्यासे क्यों हैं? अगर पानी उपलब्ध नहीं है तो उपलब्धता बढ़ने के आंकड़े किस आधार पर हैं? और अगर सिंचाई परियोजनाएं पानी की प्रतीक्षा कर रही हैं तो वर्षों से इसकी जिम्मेदारी किसकी है?

यह सवाल केवल अधिकारियों से नहीं, सरकार से है। क्योंकि सत्ता का काम सिर्फ समझौते करना नहीं, उसके परिणाम की जिम्मेदारी लेना भी है। नदी को आंकड़ों में मापना आसान है, किसान की प्यास को मापना कठिन। लेकिन लोकतंत्र में कठिन सवालों से बचकर आसान आंकड़ों के पीछे छिप जाना जवाबदेही नहीं है।

नदी किसी सरकार की निजी संपत्ति नहीं है। वह किसानों, गांवों, शहरों, जंगलों, जीव-जंतुओं और आने वाली पीढ़ियों की साझा प्राकृतिक धरोहर है। इसलिए सरकारों को पानी का हिसाब जनता के सामने रखना होगा—कितना आया, कितना बाटा, कितना इस्तेमाल हुआ, कितना खेत तक पहुंचा, कितना बह गया और जहां पानी नहीं पहुंचा, वहां जिम्मेदार कौन है।

समझौते पर हस्ताक्षर करना सत्ता की उपलब्ध हो सकती है, लेकिन किसान के खेत तक पानी पहुंचाना उसकी जवाबदेही है। सोन के पानी का असली फैसला दिल्ली या पटना की मेज पर नहीं, खेत की मेड़ पर होगा। वहां अगर किसान अब भी बारिश की ओर देख रहा है तो समझौते की रखाई चाहे जितनी गहरी हो, उसका अर्थ अप्रभू है।

सोन में पानी बढ़ तो बिहार के खेत अब भी प्यासे क्यों हैं?इस सवाल का जवाब अब सरकारों को देना होगा—आंकड़ों से नहीं, पानी से; दावों से नहीं, खेतों से। क्योंकि सहकारी संघवाद की असली परीक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करते समय नहीं, पानी खेत की मेड़तक पहुंचते समय होती है।

हूती हमलों व अमेरिका-ईरान युद्ध का तेल पर महाविस्फोट

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का ऊर्जा बाजार सितंबर 2026 में एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जिसमें तेल की आपूर्ति के कई महत्वपूर्ण रास्तों पर एक साथ दबाव बन गया है।अमेरिका- ईरान संघर्ष के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बेहद कम हो गई है,लाल सागर और बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हूती हमलों ने समुद्री परिवहन को जोखिम में डाल दिया है और अब सऊदी अरब की लगभग 1,200 किलोमीटर लंबी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन भी ड्रेन हमलों के बाद अरथयाही रूप से बंद कर दी गई है। यह पाइपलाइन सऊदी अरब के पूर्वी तेल क्षेत्रों को लाल सागर के यानबू बंदरगाह से जोड़ती है और प्रतिदिन लगभग 40-50 लाख बैरल तेल ले जाने की क्षमता रखती है।

किशन सनमुखदास भावनांनी

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि इस घटनाक्रम की गंभीरता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि होर्मुज स्वयं दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा समुद्री मार्गों में से एक है। सामान्य परिस्थितियों में इसके जरिए विश्व के लगभग पांचवें हिस्से के तेल और एलएनजी का परिवहन होता है,लेकिन 17 सितंबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को होर्मुज से केवल तीन कमांडिटी वैसेल्स गुजरे, जबकि 10-दिन का औसत करीब 17 था।इसका अर्थ यह नहीं है कि वैश्विक तेल आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है,परंतु सामान्य रूप से खुला तेल मार्ग कहना मुश्किल है लेकिन यह अवश्य बताता है कि युद्ध ने ऊर्जा परिवहन की सामान्य व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

इसी के समानांतर बाब अल-मंदेब भी महत्वपूर्ण हो गया है।लाल सागर से होकर यूरोप और एशिया के बीच जाने वाले जहाजों के लिए यहरणनीतिक समुद्री मार्ग है।आज 17 सितंबर 2026 को उपनव्य ताजा बाजार आंकड़ों में ब्रेट क्रूड लगभग 104 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूआई लगभग 101 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था; यानी कीमतें 100 डॉलर से ऊपर बनी हुई हैं।हूती हमलों और क्षेत्रीय सैन्य तनाव के कारण जहाजरानी कंपनियों को जोखिम, बीमा लागत और वैकल्पिक मार्गों की

समस्या का सामना करना पड़ रहा है।ऐसे वातावरण में सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का बंद होना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाइपलाइन होर्मुज से बचकर सऊदी तेल को लाल सागर तक पहुंचाने वाला प्रमुख वैकल्पिक मार्ग रही है।वैश्विक तेल संकट के बीच भारत सरकार ने 16 सितंबर से पेट्रोले,डीजल और एटीएफ के निर्यात पर लेवी घटाई है; हालांकि इसका घरेलू पेट्रोले- डीजल की खुदरा कीमतों पर सीधा असर नहीं है। साथियों सऊदी अरब से सामने आए तेल उत्पादन के आंकड़े भी चिंता बढ़ाते हैं। ओपेक को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अगस्त में सऊदी अरब का कच्चे तेल का उत्पादन लगभग 62.4 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो जुलाई के लगभग 81 लाख बैरल प्रतिदिन से करीब 19 लाख बैरल प्रतिदिन कम था।यह 1990 के बाद का सबसे निचला मासिक उत्पादन स्तर बताया गया है।हालांकि उत्पादन और बाजार में वास्तविक आपूर्ति अलग- अलग अवधारणाएं हैं;इसलिए इन आंकड़ों को सीधे वैश्विक उपलब्ध तेल में उतनी ही मात्रा की कमी के रूप में नहीं पढ़ना चाहिए।एबसे बड़ा सवाल अब सऊदी अरब के निर्यात भंडार और पाइपलाइन की बहाली को लेकर है।

रॉयटर्स के अनुसार, यदि ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन शीघ्र चालू नहीं होती तो सऊदी अरब के पास यानबू क्षेत्र में उपलब्ध निर्यात योग्य तेल का स्टॉक केवल लगभग पांच से सात दिनों के लिए

पर्याप्त रह सकता है और लंबे व्यवधान की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति का लगभग 4 प्रतिशत तक हिस्सा प्रभावित होने का जोखिम है।यह एक संभावित जोखिम का आकलन है, तत्काल 4 प्रतिशत की वास्तविक कमी नहीं।

साथियों तेल बाजार ने इस जोखिम पर तत्काल प्रतिक्रिया भी दिखाई।15 सितंबर को यानबू से तेल लदान रुकने और यूरोप के लिए कुछ शिपमेंट रद्द होने की खबरों के बीच ब्रेट लगभग 108.75 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूआईआई करीब 105.83 डॉलर पर बंद हुआ।हालांकि अगले दिन सऊदी अरब द्वारा ओमान के सोहार बंदरगाह के जरिए वैकल्पिक शिपमेंट बढ़ाने की खबर आने पर कीमतों में कुछ नरमी आई और 16 सितंबर को ब्रेट करीब 105.83 डॉलर तथा डब्ल्यूआईआई करीब 102.43 डॉलर पर बंद हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि बाजार केवल युद्ध की खबर पर नहीं, बल्कि वैकल्पिक आपूर्ति उपलब्ध होने की संभावना पर भी तेजी से प्रतिक्रिया कर रहा है।

यही कारण है कि 120 डॉलर प्रति बैरल का स्तर अभी एक संभावित जोखिम या बाजार- चर्चा का विषय है,निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि होर्मुज में व्यवधान लंबा चलता है, बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हमले बढ़ते हैं और सऊदी पाइपलाइन की मरम्मत में लंबा समय लगता है, तो उपलब्ध वैश्विक आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, यदि वैकल्पिक समुद्री मार्ग सक्रिय रहते हैं, सऊदी

पाइपलाइन जल्दी बहाल होती है या अतिरिक्त उत्पादन बाजार में आता है, तो दबाव सीमित भी रह सकता है। साथियों,इस संकट का असर केवल कच्चे तेल की कीमत तक सीमित नहीं है।महंगा क्रूड परिवहन,पेट्रोले-डीजल, विमान ईंधन, पेट्रोकेमिकल, प्लास्टिक,ऊर्वक और बिजली उत्पादन जैसी अनेक गतिविधियों की लागत बढ़ सकता है।तेल आयात पर अत्यधिक निर्भर देशों में इसका असर चालू खाते,मुद्रा विनिमय दर, सरकारी सव्सिडी और महंगाई पर पड़ सकता है। पहले से ऊंची ऊर्जा लागत के बीच यदि डीजल और जेत फ्यूल की उपलब्धता भी प्रभावित होती है, तो वैश्विक सप्लाई चैन पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।विभिन्न देशों में इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव भी अलग-अलग दिखाई दे सकते हैं। जहां सरकारें ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने या सव्सिडी देने की स्थिति में हैं, वहां तत्काल उपभोक्ता प्रभाव कुछ समय के लिए सीमित किया जा सकता है, लेकिन राजकोषीय बोझ बढ़ेगा।

जिन देशों के पास सीमित विदेशी मुद्रा भंडार और कम रणनीतिक तेल भंडार है, उनके लिए महंगा तेल आयात अधिक कठिन हो सकता है। इसलिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, लंका जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए वैश्विक तेल कीमतों का लंबा उछाल विशेष चुनौती बन सकता है। अलग-अलग देशों में विरोध-प्रदर्शन की खबरें भी सामने आई हैं, लेकिन उनके कारण और स्थानीय परिस्थितियां सटिका से

अलग-अलग हैं। साथियों भारत के लिए तस्वीर अपेक्षाकृत अलग है, लेकिन जोखिम समान नहीं हुआ है।भारत दुनियाँ के बड़े तेल आयातकों में है,इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रूड कीमतों और समुद्री मालभाड़े में लंबे समय तक वृद्धि का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।दूसरी ओर भारत के पास विविध आयात स्रोत रणनीतिक पेट्रोलेियम भंडार, घरेलू रिफाइनरिंग क्षमता और बड़ी सरकारी तेल कंपनियों का नेटवर्क है, जो अचानक आए बाहरी झटके को कुछ हद तक एबसोर्ब करने में मदद कर सकते हैं।फिर भी यदि 100-120 डॉलर के आसपास तेल लंबे समय तक बना रहता है तो महंगाई, व्यापार घाटे और रुपये पर दबाव जैसे प्रभावों की निगरानी सटीकता से महत्वपूर्ण होगी। साथियों, दिलचस्प बात यह है कि संकट के बीच सऊदी अरब वैकल्पिक रास्ते तलाश रहा है।

16 सितंबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब ने ओमान के सोहार बंदरगाह के पास शिप-टू-शिप ट्रांसफर्स के जरिए एशियाई खरीदारों को कच्चा तेल उपलब्ध करने की कोशिश बढ़ाई है।साथ ही खाड़ी के भीतर स्थित रासतनुरा और जुयैमाह बंदरगाहों से लदान भी बढ़ा है। इससे संकेत मिलता है कि सऊदी अरब और बाजार के अन्य खिलाड़ी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हैं, बल्कि आपूर्ति को वैकल्पिक मार्गों से बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा वैश्विक सबक ऊर्जा सुरक्षा है।

सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान के द्वितीय चरण का भव्य शुभारंभ, मेडिकल कॉलेज के 31 विद्यार्थियों का प्रवेश उत्सव

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने और जिले को स्वस्थ, निरोग एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से ‘सशक्त MCB सेवा संकल्प अभियान 2026’ के द्वितीय चरण का शुभारंभ उत्साहपूर्ण एवं गरिमायुग वातावरण में किया गया। इसी अवसर पर शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेन्द्राढ़ के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का प्रवेश उत्सव भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा की नई शुरुआत, स्वास्थ्य सेवा और जनसेवा के संकल्प का संगम देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे इस अवसर पर राज्य योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर रामनेश राय, नगर पालिका परिषद मनेन्द्राढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवती सिंह, पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत सीईओ अँक्ता सोम, सीएमएचओ डॉ.



अविनाश खरे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, चिकित्सक, मेडिकल कॉलेज के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल सहित अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया दीप प्रज्वलन के साथ जिले के प्रत्येक नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जनभागीदारी

के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया 31 विद्यार्थियों ने शुरू की चिकित्सा शिक्षा की नई यात्रा कार्यक्रम में शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेन्द्राढ़ के प्रथम वर्ष के कुल 31 छात्र-छात्राओं का प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को लंबे कोट, स्ट्रेचोस्कोप, पेन एवं यंत्रों प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में नीरज निवासी रायगढ़, आशिषोष बेहेरा मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भतपुर, गैशन कुमार बर्मन जांजगीर-चांपा, आदर्श पाण्डेय गौँस्ता-पेंड्र-मरवाही, यश कुमार देवांगन रायपुर, आकाश प्रधान सरगुजा, राहुल वारिनक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, संदीप गुप्ता जशपुर, नंदर सिंह गौँस्ता-पेंड्र-मरवाही, दक्ष यादव बिलासपुर, आदर्श जटवारा बिलासपुर, जीवन कुमार महासमुंद, आर्या गुप्ता सूरजपुर, साहिल कुमार

साहू,दुर्गा, पीयूष कुमार गुप्ता बलरामपुर, नीरज वर्मा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, विपुल उथरा बिलासपुर, सा कुसुमाहा सूरजपुर, कुमारी सुप्रिया बिलासपुर, अनामिका भारती बिलासपुर, फैजा जाबिन रायपुर, अदिति गजवाड़े सरगुजा, अमिता बबेल सरगुजा, रानी सिंह सरगुजा, निधी चेलक महासमुंद, श्रेया पैकरा सरगुजा, प्रिया पैकरा कोरिया, निशी गुप्ता गौँस्ता-पेंड्र-मरवाही, पलकवास्ताव बिलासपुर, रीतिका चंद्रा कोरबा एवं मधु मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भतपुर शामिल हैं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए यह अवसर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक रहा। मेडिकल कॉलेज के माध्यम से जिले में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ है मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग, पॉलिटैक्निक और हॉस्पिटल कॉलेज तक शिक्षा का विस्तार स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अपने संबोधन में जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि एमसीबी जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार नए अवसर विकसित हो रहे हैं मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटैक्निक कॉलेज और हॉस्पिटल कॉलेज जैसी संस्थाएं युवाओं के लिए उच्च शिक्षा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं उन्होंने जिले की प्रकृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान का उल्लेख करते हुए गोंडवाना फॉसिल्स पार्क, प्राचीन झील से निर्मित रेलवे ब्रिज, कोयलांचल क्षेत्र चिरमिरी और अमरुधारा जलप्रपात जैसे सुंदरता की चर्चा की उन्होंने कहा कि एमसीबी की पहचान प्राकृतिक संपदा, खनिज संसाधनों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में भी बन रही है आयुधान कार्ड और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने दी बड़ी राहत योजना के तहत मंगली को मजदूरी की क्षतिपूर्ति स्वरूप 20,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई यह आर्थिक मदद उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण

गर्भावस्था में सरकार का मिला साथ, 20 हजार रुपए की सहायता से मंगली के चेहरे पर लौटी राहत की मुस्कान

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत खड़गावां निवासी मंगली मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं परिवार की किमोदारियों के बीच गर्भावस्था का समय उनके लिए खुशी के साथ-साथ आर्थिक चिंता भी लेकर आया था उन्हें चिंता थी कि गर्भावस्था के दौरान जब वे मजदूरी नहीं कर पाएंगी, तब परिवार का खर्च कैसे चलेगा। ऐसे कठिन समय में श्रम विभाग की मिनीमाता योजना उनके लिए सहाय बनकर सामने आई मंगली बताती हैं कि गर्भावस्था के दौरान उनके मन में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि काम नहीं कर पाने की स्थिति में घर की जरूरतें कैसे पूरी होंगी। मजदूरी ही परिवार की आय का मुख्य साधन होने के कारण कुछ समय काम से दूर रहना उनके लिए आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण था इसी दौरान उन्हें श्रम विभाग की मिनीमाता योजना की जानकारी मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने दी बड़ी राहत योजना के तहत मंगली को मजदूरी की क्षतिपूर्ति स्वरूप 20,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई यह आर्थिक मदद उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण



साबित हुई। सहायता राशि मिलने से उन्हें परिवार की जरूरतों को पूरा करने में राहत मिली और गर्भावस्था के दौरान आर्थिक परेशानी को लेकर बनी चिंता भी काफी कम हुई मिनीमाता योजना से मिली सहायता ने मंगली के जीवन में आर्थिक संबल के साथ मानसिक राहत भी पहुंचाई है अब वे अपने वाले बच्चे को लेकर पहले की तुलना में अधिक निश्चित हैं उनके लिए यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं बल्कि कठिन समय में सरकार की ओर से मिला भरोसा है मंगली ने योजना के लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं श्रम विभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहायता ने उन्हें बहुत राहत दी है उन्होंने कहा कि इस मदद से मुझे काफी राहत मिली मैं इस योजना के लिए सरकार तथा श्रम विभाग का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ।

ईवीएम-वीवीपेट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण 23 सितंबर को राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दोपहर 12 बजे खोला जाएगा वेयरहाउस

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में ईवीएम एवं वीवीपेट मशीनों के सुस्थित भंडारण के लिए बनाए गए वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया जाएगा उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिद्धा द्वारा जारी सूचना के अनुसार माह सितंबर 2026 का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण 23 सितंबर 2026, बुधवार को दोपहर 12 बजे किया जाएगा जारी सूचना में बताया गया है कि निर्वाचन आयोग के Manual on Electronic Voting Machine and VVPATS Edition-8, अगस्त 2023 के कॉडिका 1.3.6 के बिंदु 01 के अनुसार जिला अंतर्गत ईवीएम/वीवीपेट वेयरहाउस का आंतरिक त्रैमासिक निरीक्षण किया जाना निर्धारित है निर्धारित तिथि

एवं समय पर निरीक्षण की कार्यवाही के लिए वेयरहाउस खोला जाएगा तथा निरीक्षण की कार्यवाही पूर्ण होने के उपरंत नियमानुसार बंद किया जाएगा त्रैमासिक निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान जिले में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सूचना जारी की गई है। संबंधित राजनीतिक दल निर्धारित तिथि एवं समय पर स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित रह सकते हैं जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा संबंधित राजनीतिक दलों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर त्रैमासिक निरीक्षण की कार्यवाही में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है सूचना कलेक्टर द्वारा अनुमोदित है।

कांत पांडे ने बढ़ाया जिले का मान, पैरा जुडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला शहीद विक्रम पुरस्कार'

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्राढ़ के प्रतिभावान पैरा जुडो खिलाड़ी कांत पांडे ने खेल जगत में जिले का नाम रोशन किया है पैरा जुडो में लगातार पांच वर्षों से उत्कृष्ट प्रदर्शन और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा उन्हें 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित ‘शहीद विक्रम पुरस्कार’ से सम्मानित किया गया कांत पांडे की इस उपलब्धि पर आज उन्होंने कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े से मुलाकात की कलेक्टर ने उनकी खेल प्रतिभा निरंतर मेहनत और उपलब्धियों की सरहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा कि जिले के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले की पहचान मजबूत कर रहे हैं। कांत पांडे की उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायी है कांत पांडे ने पैरा जुडो में पिछले पांच वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है खेल के प्रति समर्पण, नियमित अभ्यास और निरंतर मेहनत के परिणामस्वरूप

उन्हें खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शहीद विक्रम पुरस्कार प्रदान किया गया और इसके साथ ही उन्हें 25 हजार रुपये का चेक भी प्रदान किया गया यह सम्मान उनकी खेल यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जुड़ है कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े ने कांत पांडे को सम्मानित करते हुए उन्हें ट्रैक शूट एवं मोंटेग्ने प्रदान किया कलेक्टर ने कांत को भविष्य में भी इसी लगन और मेहनत के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया कांत पांडे ने कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े द्वारा दिए गए सम्मान और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि जिले के प्रशासन से मिला यह सम्मान और प्रोत्साहन उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा कांत पांडे की उपलब्धि यह संदेश देती है कि निरंतर अभ्यास, दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है पैरा जुडो में लगातार पांच वर्षों तक उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शहीद विक्रम पुरस्कार हासिल करना मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भतपुर जिले के लिए गौरव का विषय है।

तलाक की तारीख पर कोर्ट के बाहर पति-पत्नी में मारपीट, पति जेल भेजा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। न्यायालय परिसर के बाहर शुक्रवार को तलाक की सुनवाई की तारीख पर पहुंचे पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया देखते ही देखते मामला मारपीट की रेशनी के बीच देशसेवा, जनसेवा और जनभागीदारी का संदेश पूरे वातावरण में गुंजा रहा सरोवर तलाब के चारों ओर सजे पांच लाख से अधिक दीप केवल रेशनी का माध्यम नहीं रहे बल्कि सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के प्रतीक एवं एक साथ प्रज्वलित हुए असंख्य दीपों ने पूरे परिसर को आलोकित कर दिया।

पक्की छत ने बदली जिंदगी की तस्वीर, सरस्वती राय के परिवार का सपना हुआ साकार



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कभी अपने पक्के घर की कल्पना करने वाला सरस्वती राय का परिवार आज उस सपने को हकीकत में बदलते हुए एक नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा है ग्राम चनवारीडंड, जिला एमसीबी, छत्तीसगढ़ निवासी सरस्वती राय, पति संतोष राय को वित्तीय वर्ष 2024-25 में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के

अंतर्गत 1 लाख 20 हजार रुपये की आवास स्वीकृति मिली शासन की इस सहायता ने परिवार के लिए पक्के और सुरक्षित आशियाने की राह आसान की और वर्षों से संजोए सपने को पूरा करने का अवसर दिया एक सपना, जिसे मिला सरकारी योजना का सहारा ग्रामीण परिवार के लिए अपना पक्का मकान केवल एक जरूरत नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की महत्वपूर्ण आधारशिला होता है सरस्वती राय के परिवार के लिए भी पक्के घर की चाह लंबे समय से मन में थी सीमित संसाधनों के बीच अपने स्तर पर पक्का मकान तैयार करना आसान नहीं था ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मिली स्वीकृति परिवार के लिए

उम्मीद की मजबूत किरण बनकर आई। 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृति राशि ने परिवार को अपने आवास के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने का संबल दिया आवास की सुविधा से परिवार के जीवन में स्थायित्व और सुख्हा की नई उम्मीद जुड़ी है सरस्वती राय के परिवार के लिए यह आवास सिर्फ दीवारों और छत से बना एक मकान नहीं है बल्कि परिवार के सुरक्षित भविष्य का आधार है पक्के घर के साथ मौसम की परेशानियों से सुरक्षा, परिवार के लिए बेहतर वातावरण और अपने घर होने का आत्मविश्वास जुड़ है वर्षों से मन में बसे अपने आशियाने के सपने को साकार होते देख परिवार के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक है प्रधानमंत्री आवास योजना

(ग्रामीण) के माध्यम से मिली सहायता ने सरस्वती राय और उनके परिवार को अपने जीवन की परिस्थितियों को बेहतर बनाने का अवसर दिया है। यह बदलाव इस बात को दर्शाता है कि जब शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है तो वह उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनता है सरस्वती राय कहती हैं कि अपने परिवार के लिए पक्का घर होना हमारे लिए बहुत बड़ा सपना था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत हमें 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृति मिली, जिससे हमारा यह सपना पूरा होने की राह आसान हुई पक्का घर हमारे परिवार के लिए सुख और सम्मान का आधार है।

शिवपुरी में ITBP जवान नीरज शर्मा को अंतिम विदाई, गूंजे भारत माता के जयकारे

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के भौंती करबे में शुक्रवार को ITBP जवान नीरज शर्मा का अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया ITBP के दल के साथ उनका पार्थिव शरीर भौंती पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े अंतिम यात्रा के दौरान भारत माता के जयकारों और देशभक्ति गीतों से करब्या गुंज उठा ITBP जवानों ने नीरज शर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उनके छोटे भाई प्रदीप शर्मा ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी, ITBP जवान और स्थानीय लोग मौजूद रहे नीरज शर्मा वर्ष 2007 में



ITBP में आरक्षक जीडी के पद पर भर्ती हुए थे और करीब 19 वर्षों से सेवाएं दे रहे थे पिछले एक साल से उनकी तेनाती लेह-लद्दाख में थी 14 सितंबर को छुट्टी समाप्त होने के बाद वे झुट्टी के लिए रवाना हुए थे। दिल्ली स्थित ITBP मुख्यालय में उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद 16 सितंबर को निधन हो गया उनके परिवार में पत्नी और 16 वर्षीय बेटी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बड़कू साहू के परिवार को दिया पक्का आशियाना, मिट्टी के घर से खुशहाल जीवन तक पहुँची नई कहानी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ग्राम पंचायत चैनपुर, विकासखंड मनेन्द्राढ़, जिला एमसीबी छत्तीसगढ़ निवासी बड़कू साहू, पिता चासीराम साहू, को पक्के आवास का लाभ मिला है कभी मिट्टी के कच्चे मकान में जीवन गुजारने वाले बड़कू साहू और उनके परिवार के लिए पक्के घर का सपना लंबे समय से अधूरा था। कच्चे मकान में रहने के दौरान विशेषकर बारिश के दिनों में परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। छत से पानी टपकने, दीवारों के खराब होने और मकान की असुरक्षित स्थिति के कारण परिवार के मन में हमेशा चिंता बनी रहती थी आर्थिक परिस्थितियों के कारण पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना



(ग्रामीण) उनके परिवार के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बड़कू साहू को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के आवास की स्वीकृति मिली। योजना का लाभ मिलने के बाद उनके परिवार के वर्षों पुराने सपने को पंख मिले और नवनिर्मित पक्के आवास का निर्माण पूर्ण हुआ 11 सितंबर 2026 को बड़कू साहू के परिवार ने अपने नए पक्के मकान में गृह प्रवेश किया यह दिन उनके परिवार के लिए बेहद खास और भावुक कर

देने वाला रहा क्योंकि जिस पक्के आशियाने की उम्मीद उन्होंने वर्षों से संजोकर रखी थी, वह अब हकीकत बन चुका था नए घर में गृह प्रवेश के साथ ही परिवार के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई पक्का आवास मिलने से बड़कू साहू के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव आया है अब बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने की चिंता नहीं रहती और न ही कच्चे मकान की सुख्हा को लेकर भय बना रहता है पक्का घर परिवार को सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन का बेहतर

पांच लाख दीयों से रोशन हुआ मनेन्द्रगढ़, सेवा संकल्प का भव्य आगाज

सरोवर तालाब में दिखा अद्भुत नजारा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की मौजूदगी में उमड़ा जनसैलाब

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री नंद मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने और जनमदिर के अवसर पर मनेन्द्राढ़ ने सेवा, संकल्प और जनभागीदारी का भव्य संदेश दिया गुस्वार की शाम वाई ब्रम्बक-8 स्थित सरोवर तालाब का नजारा देखते ही बन रहा था। सेवा संकल्प अभियान-2026 के जिला स्तरीय शुभारंभ के अवसर पर पांच लाख से अधिक दीयों के प्रज्वलन से पूरा मनेन्द्राढ़ रेशनी से नहा उठा। सरोवर तालाब के चारों ओर जगमगाते दीप और पानी में बन रहे उमड़े झिलमिलाते प्रतिबिंब ने ऐसा अद्भुत दृश्य रचा कि हर किसी की नजरें टकर



गई सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संदेश के साथ आयोजित इस भव्य दीपोत्सव में मनेन्द्राढ़ ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे पूरे परिसर दीपों की रेशनी, उत्साह और उल्लास से सरोवर नजर आया

हजारों नागरिकों ने इस ऐतिहासिक और मनोहारी दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम



बिहारी जायसवाल रहे इस अवसर पर राज्य योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर रामनेश राय, नगर पालिका परिषद मनेन्द्राढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेष्ट पट्टवा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवती सिंह, पूर्व संसदीय सचिव

चंपादेवी पावले, जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, जिला पंचायत सीईओ अँक्ता सोम सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल

एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर ‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ और जिला स्तरीय दीपोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गीत ‘वन्दे मातरम्’ का वाचन किया गया। दीपों की रेशनी के बीच देशसेवा, जनसेवा और जनभागीदारी का संदेश पूरे वातावरण में गुंजा रहा सरोवर तालाब के चारों ओर सजे पांच लाख से अधिक दीप केवल रेशनी का माध्यम नहीं रहे बल्कि सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के प्रतीक एवं एक साथ प्रज्वलित हुए असंख्य दीपों ने पूरे परिसर को आलोकित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

सागर में मारपीट व हत्या का आरोपी गिरफ्तार



दो माह से चल रहा था फरार, लोकेशन मिलते ही पकड़ा, दो वारंटी भी धराए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के देवरी थाना पुलिस ने हत्या और मारपीट के मामले में करीब दो महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की तलाश के दौरान पुलिस ने दो वारंटियों को भी पकड़ा। तीनों आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की गई, जिसके बाद न्यायालय में पेश किया गया।

लोकेशन मिलते ही पुलिस ने दबिश दी: पुलिस के अनुसार देवरी थाने में दर्ज हत्या और मारपीट के मामले में शरद पिता मंहेश यादव (25) फरार था। पिछले करीब दो महीने से पुलिस उसकी तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। गुरुवार को मुखबिर से आरोपी की लोकेशन मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दबिश देकर शरद यादव को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे थाने लाकर पूछताछ की गई।

दो वारंटी भी गिरफ्तार: पुलिस ने कारवाई के दौरान स्थायी वारंटी नीलेश उर्फ मन्नू पिता राजाराम रैकवार (26), निवासी शंकरगढ़ को भी गिरफ्तार किया। वहीं कोर्ट से जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर सतीश पिता संत रैकवार, निवासी मोकलपुर को भी पकड़ा गया। देवरी थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि हत्या के मामले में फरार आरोपी समेत दो वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को थाने में पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

मंदसौर में कार की डिकी ले



60 किलो डोडाचूरा जब्त

ब्रेजा कार से ले जा रहे थे 2 आरोपी, गिरफ्तार, 3 कट्टों में भरकर रखा था

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के अफजलपुर थाना पुलिस ने डोडाचूरा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 60 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा और तस्करी में इस्तेमाल की गई सफेद रंग की ब्रेजा कार जब्त की गई। डोडाचूरा की कीमत करीब 1.20 लाख रुपए और कार की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई गई है।

मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी: पुलिस को गुरुवार को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की ब्रेजा कार (GJ08CC2439) में दो लोग डोडाचूरा लेकर डिग्रांव होते हुए सीतामऊ की तरफ जाने वाले हैं। थाना प्रभारी विकास गहलोत ने टीम बनाकर कमालपुरा फंटा, ग्राम बिलात्री में नाकाबंदी कराई। कुछ देर बाद सूचना में बताई गई कार वहां पहुंची। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो चालकर कार को कमालपुरा की तरफ मोड़ने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार रोक ली और तलाशी ली। डिकी में मिले डोडाचूरा से भरे 3 कट्टे कार की डिकी में तीन काले रंग के कट्टे मिले। इनमें कुल 60 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा भरा था। पुलिस ने कार सवार लखन पिता सुंदरलाल (25) निवासी निंबाखेड़ी, थाना दलोदा, जिला मंदसौर और अरविंद पिता राधाकिशन (25) निवासी काजली, थाना रठाजना, जिला प्रतापगढ़, राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ अफजलपुर थाने में धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को रिमांड पर लिया है। कहां से लाए थे, किसे देना था: पूछताछ जारी थाना प्रभारी विकास गहलोत के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि डोडाचूरा कहाँ से लाया गया था और इसे किसे सप्लाई करने ले जाया जा रहा था। पुलिस मादक पदार्थ के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जुटा रही है।

कम बारिश से तवाडेम खाली, भूजल रिचार्ज नहीं

पिछले साल से 11.1 इंच कम वर्षा, रबी फसल और गर्मी में पेयजल संकट की आशंका



हुई। पिछले साल जुलाई में छोड़ा था 55 हजार क्यूसेक पानी: पिछले साल तवा बांध में अच्छी आवक होने से 25 और 26 जुलाई को गेट खोले गए थे। 25 जुलाई को पहले 3 गेट 3-3 फीट खोले गए। शाम तक 5 गेट 7-7

● जिले में अब तक 30.9 इंच बारिश:

भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक औसत 785.5 मिमी यानी करीब 30.9 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि तक 1282.9 मिमी यानी करीब 50.5 इंच बारिश हो चुकी थी। इस तरह पिछले साल के मुकाबले इस बार करीब 19.6 इंच कम बारिश हुई है। जिले की सामान्य औसत बारिश 1370.5 मिमी यानी करीब 54 इंच है।

● पिछले साल से 11.1 इंच कम:

इटारसी में इस साल अब तक 907.8 मिमी यानी करीब 35.7 इंच बारिश हुई है। पिछले साल इसी समय तक 1189.4 मिमी यानी करीब 46.8 इंच बारिश दर्ज हुई थी। यानी इस बार करीब 11.1 इंच कम बारिश हुई है। आंकड़ों के मुताबिक बारिश में करीब 23.7% की कमी रही।

● रबी और गर्मी के पानी पर असर की चिंता:

कम बारिश का असर सिर्फ मौजूदा जलस्तर पर नहीं, बल्कि आने वाले महीनों में भी पड़ सकता है। भूजल रिचार्ज कम होने से रबी फसलों की सिंचाई और अगली गर्मी में पेयजल व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका है। तवा बांध में भी सामान्य से कम पानी रहने के कारण सिंचाई व्यवस्था को लेकर चिंता बनी हुई है।

फीट तक खोल दिए गए थे। 26 जुलाई को आवक बढ़ने पर 7 गेट 10-10 फीट तक खोले गए और करीब 55 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसके उलट इस साल पानी की आवक इतनी कम रही कि गेट खोलने की स्थिति ही नहीं बनी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विदिशा जिले

में पांच सामाजिक वानिकी नर्सरियों

से प्राप्त किए जा सकेंगे पौधे

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं पौधरोपण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक वानिकी के अंतर्गत संचालित नर्सरियों से पौधे प्राप्त किए जा सकेंगे। अभियान की अवधि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक निर्धारित है। इस अवधि में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण सहित जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विदिशा जिले में पौधे प्राप्त करने के लिए सामाजिक वानिकी अंतर्गत पांच नर्सरियों की सूची जारी की गई है। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार संबंधित नर्सरी के प्रभारी से संपर्क कर पौधों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिले में चिन्हित नर्सरियां की जानकारी तदानुसार हलाली नर्सरी ,प्रभारी - राजेश मोरे मोबाइल - 9977026906, स्थान - ग्राम सलूज, हलाली डैम के पास। बैस नर्सरी प्रभारी अमित विश्वकर्मा मोबाइल 7987620903 स्थान - बैस नगर, विदिशा। रंगई नर्सरी प्रभारी सत्यम खेर मोबाइल 9584261318 स्थान - रंगई मंदिर के पास, विदिशा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर आयोजित नागरिकों ने रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा के संकल्प को मजबूत किया

रक्तदान जीवनदान है, एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंदों के जीवन में बन सकता है सहारा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर

(निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा एवं जनभागीदारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय सीहोर तथा भैरूदा स्थित शासकीय अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में अनेक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया और मानव सेवा का संदेश दिया।

रक्तदान करने वाले गगन नामदेव, प्रीतेश राठौर तथा प्रबल सहित अनेक नागरिकों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान करना उनके लिए विशेष अनुभव है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा और यह अवसर उन्हें भविष्य में रक्तदान करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। रक्तदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाने में योगदान देना समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन अथवा अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे समय में रक्त की उपलब्धता किसी व्यक्ति के लिए जीवन



रक्षक साबित हो सकती है। नियमित स्वीच्छक रक्तदान से अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। शिविर में रक्तदान करने वाले नागरिकों ने अन्य लोगों से भी रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी अनजान जरूरतमंद के जीवन में नई उम्मीद पैदा कर सकता है। रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वीच्छक रक्तदान के लिए प्रेरित करना सामूहिक जिम्मेदारी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन रक्तदान शिविरों ने सेवा, संवेदना और जनभागीदारी का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर नागरिकों ने रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा के संकल्प को

मजबूत किया। रक्तदान जीवनदान है, इस भावना के साथ नागरिकों ने जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का संकल्प व्यक्त किया। जिला चिकित्सालय सीहोर में आयोजित रक्तदान शिविर में सीहोर विधायक सुदेश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सीता राम यादव , नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के महत्व के संबंध में जानकारी दी।

शिविर में नागरिकों ने स्वेच्छ से रक्तदान कर सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्य को सार्थक किया। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, सुदीप प्रजापति तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर डेहरिया, सिविल सर्जन डॉ यूके वास्तव उपस्थित रहे।

मक्का खरीदी में 76 लाख की गड़बड़ी करने वाला गिरफ्तार

17 किसानों के खातों में उलवाए थे पैसे, जांच में तेयरहाउस में मक्का नहीं मिला



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के देवरी में मक्का खरीदी के नाम पर पोर्टल पर फर्जी दस्तावेज अपलोड कर 17 किसानों के खातों में 76 लाख 31 हजार 750 रुपए का भुगतान कराने के मामले में फरार आरोपी अतिशय पिता अवधेश जैन, निवासी गांधी बाई, को पुलिस ने रहली से गिरफ्तार किया है। आरोपी को देवरी थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में 343 मीट्रिक टन मक्का खरीदी के दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किए गए थे, लेकिन एनसीसीएफ के भौतिक सत्यापन में शांडिल्य वेयरहाउस में मक्का का भंडारण नहीं मिला।

मक्का खरीदी के लिए कंपनी को बनाया था पोर्टल और खरीदी पोर्टनर: जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ने 2025 में मध्यप्रदेश में मक्का से इथेनॉल उत्पादन के लिए समर्थन मूल्य पर

मक्का खरीदी की व्यवस्था की थी। इसके लिए एनसीसीएफ के दिल्ली मुख्यालय ने एकता कंपनी को पोर्टल और खरीदी पोर्टनर नियुक्त किया था। एकता कंपनी ने मक्का खरीदी के लिए फूड गार्ड फार्मर प्रोसेसिंग कंपनी लिमिटेड एपीओ का पंजीयन किया था। इस मामले में फूड गार्ड फार्मर प्रोसेसिंग कंपनी के डायरेक्टर मनीष पटेल ने अतिशय जैन को मक्का खरीदी के लिए नियुक्त किया था।

17 किसानों के खातों में डाली गई 76.31 लाख की राशि: एनसीसीएफ की ओर से 17 किसानों के खातों में कुल 76 लाख 31 हजार 750 रुपए का भुगतान किया गया था। इसके बाद एनसीसीएफ ने जब भौतिक सत्यापन कराया तो एग्रीमेंट के मुताबिक शांडिल्य वेयरहाउस मौके पर नहीं मिला। सत्यापन में वेयरहाउस में मक्का का भंडारण भी नहीं पाया गया। पुलिस के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बिना भौतिक सत्यापन के किसानों के खातों में राशि डाली गई। मामले में कंपनी और एफपीओ के डायरेक्टर मनीष पटेल तथा अतिशय जैन की मिलीभगत की जांच की जा रही है।

रिमांड पर लेकर आरोपी से पूछताछ: देवरी थाने के जांच अधिकारी उप निरीक्षक समरथ सीनम ने बताया कि पूरे प्रकरण में 343 मीट्रिक टन मक्का खरीदी से संबंधित दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किए गए थे। भौतिक सत्यापन के दौरान एनसीसीएफ को वेयरहाउस में मक्का का भंडारण नहीं मिला, जबकि 17 किसानों के खातों में 76 लाख 31 हजार 750 रुपए का भुगतान किया जा चुका था।

वरिष्ठजनों और युवा पीढ़ी के बीच बढ़ेगा संवाद, सात जनपद एवं नगरीय

निकायों में होंगे ‘इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग’ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 में इंटर जनरेशनल बॉन्डिंग पर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य वरिष्ठजनों, युवा एवं बाल पीढ़ी के बीच आपसी संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, पारिवारिक एवं सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करना तथा विभिन्न पीढ़ियों के बीच पारस्परिक सहयोग की भावना विकसित करना है। मध्यप्रदेश सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना को केंद्र शासन द्वारा संचालित योजनाओं में शामिल किया गया है। जिला स्तर से जारी निर्देशों के अनुसार जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी/मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में संबंधित विभागों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत राज संस्थाओं, नगरीय निकायों, स्वयंसेवी संगठनों एवं अन्य संबंधित संस्थाओं के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रमों में वरिष्ठजन, विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, वृद्धाश्रमों में निवासरत वरिष्ठजन तथा गणमान्य नागरिक सहभागी होंगे। गतिविधियों के माध्यम से वरिष्ठजनों के जीवन अनुभव, ज्ञान एवं परंपरागत अनुभवों को युवा एवं बाल पीढ़ी तक पहुंचाने तथा नई पीढ़ी को वरिष्ठजनों के साथ संवाद एवं सहयोग के लिए प्रेरित करने पर जोर रहेगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत वन क्षेत्रों और विद्यालय परिसरों में हुआ पौधारोपण

वन अमले, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रोपित पौधों की नियमित देखरेख, सिंचाई एवं सुरक्षा अभियान के तहत कुल 25 फलदार वन परिक्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारियों सहित वन अमले ने पौधे रोपित किए। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति सहभागिता का संदेश दिया गया।

बरखेड़ा गंभीर में लगाए गए 25 फलदार एवं उपयोगी पौधे: वृत्त पुरा द्वितीय, बीट

लखुली अंतर्गत ग्राम बरखेड़ा गंभीर स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में सेवा संकल्प अभियान के तहत कुल 25 फलदार उपयोगी प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। परिसर में आंवला, नीम, अमरूद, आम एवं

➡धमनोद स्कूल परिसर में विद्यार्थियों और नागरिकों ने किया पौधारोपण

विकासखण्ड एवं जिला विदिशा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमनोद में भी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों ने पौधे रोपित किए। प्रतिभागियों ने विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

➡पौधों की देखभाल पर दिया गया जोर

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में केवल पौधारोपण तक सीमित न रहते हुए रोपित पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई एवं सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को प्रकृति के संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया गया। ‘एक पौधा आज, हरित भविष्य कल’ के संदेश के साथ आयोजित इन कार्यक्रमों ने सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता को भावना को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का कार्य किया।

बेलपत्र के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में विद्यालय ने सहभागिता करते हुए पौधों के संरक्षण और के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं तथा ग्रामीणों पर्यावरण को बेहतर बनाने का संदेश दिया।

दूसरे टी20 में भी इंग्लैंड ने लंका को हराकर अपना दबदबा बरकरार रखा



लंदन ,एजेसी। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड का शानदार प्रदर्शन जारी है। उसने लंका को दूसरे टी20 मुकाबले में आसानी से हराकर तीन मैचों की सीरीज पर 2-0 से अपने नाम की है। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने लगभग आठ ओवर शेष रहते ही जीत हासिल कर ली, जिससे

उनकी ताकत और दबदबे का अंदाजा लगाया जा सकता है। इंग्लैंड की इस लगातार बढ़ती सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनके खिलाड़ियों का साल भर टी20 क्रिकेट खेलना है, जिसका सीधा फायदा राष्ट्रीय टीम को मिलता है। मैदान पर उनका आत्मविश्वास और बेखौफ अंदाज उन्हें एक अलग स्तर पर ले

जाता है। लंका के खिलाफ यह इंग्लैंड की पिछली 21 भिड़ंतों में 19वीं जीत थी, जो उनके एकतरफा दबदबे को स्पष्ट करती है। इस दौरान लंका सिर्फ दो मुकाबले जीत पाया है। अगर पिछले साल गर्मियों से अब तक के उनके रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी अधिक प्रभावशाली नजर आती है। इंग्लैंड ने

इस अवधि में खेले गए 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से 22 में जीत दर्ज की है, जिसका मतलब है कि उनकी जीत का प्रतिशत 88 प्रतिशत रहा है। यह आंकड़ा उन्हें पूर्णकालिक सदस्य देशों में शीर्ष पर रखता है। वहीं टी20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 73 है। जो दिखाता है कि वर्तमान में टी20 फॉर्मेट में इंग्लैंड को हरना कितना मुश्किल है। इस दूसरे मैच में इंग्लैंड के लिए युवा बल्लेबाज टॉम बैटन ने धमकेदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 24 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए। उनके अलावा, जोस बटलर ने 16 गेंदों पर 30 रन बनाकर पारी को तेज शुरूआत दी। कप्तान हेरी ब्रूक ने आठ गेंदों में तेजी से 23 रन बनाकर टीम को आसानी से जीत दिलाई। यह कांडिफ के मैदान पर इंग्लैंड की 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 10वीं जीत थी। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए लंका की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप रही, जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके लिए सर्वोच्च स्कोर पशुम निसका ने बनाया, जिन्होंने 21 गेंदों पर 37 रन जोड़े। कप्तान चरित्त असलंका ने भी 31 गेंदों पर 31 रन बनाए, लेकिन ये रन टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के लिए नाकामी साबित हुए। निर्धारित 20 ओवरों में लंका नौ विकेट खोकर केवल 145 रन ही बना सकी।

श्रेयस अय्यर की नजरें अब एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने पर लगी



नई दिल्ली,एजेसी। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद कहा है कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में टीम को स्वर्ण पदक दिलाना है। श्रेयस पिछले कुछ समय में एक बेहतर कप्तान के तौर पर उभरे हैं।

अय्यर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने लगातार छह मैचों में जीत दर्ज करके विरोधी टीमों के सामने एक बड़ी चुनौती पेश की है। इस शानदार सफर की शुरुआत जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई सीरीज से हुई। जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम ने घरेलू टीम को किसी भी मुकाबले में अवसर नहीं दिया। अय्यर की समझदारी भरी रणनीति और गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने की कला के दम पर भारत ने वह सीरीज 3-0 से अपने नाम की। इस क्लोन स्वीप ने न केवल टीम के हौसले

बुलंद किए, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन को कैसे जीत में तब्दील किया जाता है। जिम्बाब्वे के बाद भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को आसानी से हरा दिया। श्रेयस की कप्तानी के आगे अफगान टीम की हर रणनीति असफल रही। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई इस सीरीज में भी भारतीय टीम ने अपना दबदबा पूरी तरह कायम रखा और एक बार फिर 3-0 से सीरीज जीती। लगातार दो सीरीज में लगातार 3-3 मैच जीतकर अय्यर ने अपनी कप्तानी में लगातार 6 जीत का एक ऐसा मजबूत रिकॉर्ड खड़ा कर दिया, जो उनके नेतृत्व क्षमता पर मुहर लगाता है यह 6 मैच की अजेय बढ़त केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह श्रेयस के मैदान पर रहने वाले रवैये को दिखाता है।

नमन को टीम इंडिया में जगह मिलने के बाद से ही फरीदकोट में जश्न का माहौल

फरीदकोट ,एजेसी। पंजाब के छोटे से शहर फरीदकोट के 26 वर्षीय नमन धीर को पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिलने के बाद से ही यहां जश्न का माहौल है। नमन को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। नमन धीर एक आक्रामक दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जो अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लंबे समय से इंडिया ए के लिए प्रभावी प्रदर्शन कर रहे इस क्रिकेटर ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेला है। खासकर 2024 सीजन के बाद से वे लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में संपन्न हुए शेर-ए-पंजाब टी-20 टूर्नामेंट में नमन ने अपनी

बल्लेबाजी से भी चयनकर्ताओं की प्रभावित किया था। जिसका लाभ उन्हें मिला है। नमन ने अमृतसर सुरमाज की ओर से खेलते हुए मोहाली किंग्स के खिलाफ सिर्फ 64 गेंदों में 173 रनों की एक अविश्वसनीय पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने महज 37 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस पारी में 270.31 की स्ट्राइक रेट से 16 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इस टूर्नामेंट में उन्हें मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी मिला था, जिसके कुछ ही दिनों बाद उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने का यह बड़ा तोहफा मिला है। नमन धीर पंजाब के एक प्रतिभाशाली बैटिंग ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 2023-24 में पंजाब को बीसीसीआई की प्रतिष्ठित घरेलू टी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी शानदार फॉर्म और प्रदर्शन ने शेर-ए-पंजाब टी-20 टीम में मुंबई इंडियंस के स्काउट्स का ध्यान खींचा। नतीजतन, आईपीएल 2024 की नीलामी में मुंबई इंडियंस ने उन्हें 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर अपनी टीम में शामिल कर लिया। आईपीएल में आने से पहले भी उन्होंने शेर-ए-पंजाब के लिए उस सीजन में 193 की खतरनाक स्ट्राइक रेट से 466 रन बनाए थे। इसी प्रदर्शन के कारण, जब सूर्यकुमार यादव घोटाला हुए, तो मुंबई ने उन्हें डेब्यू का मौका दिया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करवाई। अपने डेब्यू सीजन, आईपीएल 2024 में, नमन धीर ने कुल सात मैच खेले, जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ उनके आखिरी मैच में सिर्फ 28 गेंदों पर बनाए गए नाबाद 62 रनों की विस्फोटक पारी सबसे यादगार रही। आईपीएल 2024 में कुछ साधारण प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस ने नमन धीर को रीलीज करने का फैसला किया, लेकिन अगले सीजन की नीलामी में उनका मूल्य आसमान छू गया। आईपीएल 2025 की नीलामी में मुंबई इंडियंस ने राइट टू मैच (आरटीएल) विकल्प का इस्तेमाल करते हुए उन्हें पांच करोड़ 25 लाख रुपये की मोटी रकम के साथ दोबारा अपनी टीम में शामिल किया। 20 लाख के बेस प्राइस से सीधे सवा पांच करोड़ रुपये तक का यह सफर किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

श्रेयस ने ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचाने अफगान कप्तान जादरान को भी बुलाया

सोशल मीडिया पर छाया खेल भावना वाला ये वीडियो

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने के बाद खेल भावना का परिचय देते हुए अफगान टीम के कप्तान इब्राहिम जादरान को भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए बुलाया। अय्यर ने इस प्रकार दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और लोग इसकी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

तीसरे टी20 मुकाबले में 127 रनों की बड़ी जीत के बाद, जब भारतीय टीम ने ट्रॉफी उठाई सभी खिलाड़ी तस्वीर खिंचाने पहुंचे अय्यर ने अफगान टीम के कप्तान जादरान को भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर

खिंचवाने के लिए बुलाया। तस्वीर में जादरान, अय्यर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच खड़े होकर मुस्कराते हुए नजर आ रहे हैं, जो खेल भावना की एक अनूठी मिसाल है। यह पहली बार नहीं था; ट्रॉफी प्रदान करते समय भी अय्यर ने जादरान को अपने साथ शामिल किया था, जिससे दोनों टीमों के बीच सम्मान और सौहार्द का संदेश गया।

मेजबान अफगानिस्तान के लिए यह सीरीज निराशाजनक रही, जिसने अरुण जेटली स्टेडियम में अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराश किया। इब्राहिम जादरान के नेतृत्व में टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संघर्ष करती दिखी और तीनों टी20 मुकाबले बुरी तरह हार गई।



प्रतिस्पर्धा आयोग से मिली मंजूरी



मुम्बई ,एजेसी। आर्सेलरमि्तल समूह के प्रमुख लक्ष्मी निवास मि्तल और सीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमोटर अदार पूनावाला अब तीन क्रिकेट टीमों खरीदने जा रहे हैं। इस बारे में इन्हें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से भी मंजूरी मिल गयी है। इसके तहत ही मि्तल की वेस्ट्यू क्रिकेट लिमिटेड और पूनावाला की पोर्ट्स एंड फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड मिलकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स सहित तीन प्रमुख क्रिकेट टीमों का अधिग्रहण करेगी। यह पूरा सीमा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,700 करोड़ रुपये) का बताया जा रहा है, जिसमें वैश्विक

क्रिकेट परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकता है। इस सौदे में मि्तल और उनके बेटे आदित्य मि्तल के साथ सीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला शामिल हैं। वेस्ट्यू क्रिकेट एक यूके-पंजीकृत कंपनी है जिसका स्वामित्व मि्तल परिवार के पास है, जबकि पूनावाला स्पोर्ट्स एंड फिटनेस अदार पूनावाला की कंपनी है। लक्ष्मी मि्तल दुनिया के शीर्ष उद्योगपतियों में शुमार हैं और उनके बेटे आदित्य मि्तल आर्सेलरमि्तल के सीईओ हैं, जो विश्व की सबसे बड़ी इस्पात कंपनियों में से एक है। वहीं, अदार पूनावाला, सीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमुख के रूप में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा

क्षेत्र के दिग्गज हैं। यह सौदा केवल आईपीएल की राजस्थान रॉयल्स तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें दक्षिण अफ्रीका की पार्ल रॉयल्स और केन्याबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) की बारबाडोस रॉयल्स भी शामिल हैं। कुल 1.65 अरब डॉलर का यह विशाल सौदा वैश्विक क्रिकेट लीगों में भारतीय उद्योगपतियों के बढ़ते निवेश को दिखाता है, जो क्रिकेट के व्यावसायिक पहलुओं में उनकी गहरी रुचि को उजागर करता है। वर्तमान में इन तीनों टीमों की होल्डिंग कंपनी इएम स्पोर्टिंग होल्डिंग्स लिमिटेड है, जो मॉरीशस में पंजीकृत एक निजी फर्म है। इसके तहत रॉयल मल्टीस्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड राजस्थान रॉयल्स का संचालन करती है।

एकदिवसीय में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले पांच शीर्ष कप्तानों में भारत के धोनी और रोहित भी शामिल

मुम्बई ,एजेसी। एकदिवसीय क्रिकेट में तेजी से रन बनाने और छक्के लगाने वाले शीर्ष पांच कप्तानों में भारतीय टीम के रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल हैं। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयान मॉर्गन शीर्ष पर हैं। ये ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से मैच का रुख बदला है। मॉर्गन ने बतौर कप्तान सबसे अधिक छक्के लगाये हैं। उनके रिकॉर्ड की खासियत यह भी है कि वे दो देशों (आयरलैंड और इंग्लैंड) की ओर से एकदिवसीय खेल चुके हैं, जिसने उनके कीर्तिमान को और विशिष्ट बना दिया है।इंग्लैंड के इस आक्रामक बल्लेबाज ने 2011 से 2022 के बीच 126 वनडे मैचों में कप्तानी करते हुए 115 पारियों में कुल 147 छक्के लगाए। मॉर्गन के इसी आक्रामक रुख से इंग्लैंड के सफेद गेंद क्रिकेट में क्रांति आई। उन्होंने 44.03 की बेहतरीन औसत और 96.00 की स्ट्राइक रेट से 4,403 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। उनका 148 रनों का सर्वोच्च स्कोर आक्रामक बल्लेबाजी को दिखाता है। विध्वंसक क्षमता का प्रमाण है। वहीं भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व कप्तानों धोनी और रोहित इस सूची



में संयुक्त रूप से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। धोनी ने 2007 से 2018 के बीच 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की और 172 पारियों में 126 छक्के जड़े। कैप्टन कुल धोनी सिर्फ छक्के ही नहीं मारते थे, बल्कि वे मैच को फिनिश करने में भी माहिर थे। 48 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 53.55 की बेमिसाल औसत से 6,641 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 47 अर्धशतक शामिल हैं। उनके हेलीकॉप्टर शॉट्स आज भी क्रिकेट प्रेमियों के दिमाग में ताजा हैं।

दूसरी ओर हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने धोनी के बराबर 126 छक्के लगाये, लेकिन यह कारनामा उन्होंने कहीं कम मैचों में किया। 2017 से अब तक मात्र 56 मैचों की 55 पारियों में कप्तानी करते हुए रोहित ने यह उपलब्धि हासिल की।

रोहित का विस्फोटक अंदाज उनकी पहचान है, जिन्होंने 111.97 की स्ट्राइक रेट और 52.20 की औसत से 2,506 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक (208 रन) और 5 शतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में चौकों (251) से ज्यादा छक्कों पर भरोसा दिखाया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को अपनी कप्तानी में दो विश्व कप जिताने वाले रिकी पॉटिंग इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। 2002 से 2012 तक 230 मैचों में नेतृत्व करते हुए पॉटिंग ने 220 पारियों में 123 छक्के लगाए। बतौर कप्तान सर्वाधिक 8,497 रन (42.91 की औसत से) बनाने वाले पॉटिंग ने 22 शतक और 794 चौके भी जमाए। उनका 164 रनों का सर्वोच्च स्कोर उनकी दबंग बल्लेबाजी का गवाह है।

आईपीएल 2027: नीलामी से पहले ट्रेड डील में कई खिलाड़ी हो सकते हैं इधर से उधर

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2027 नीलामी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन कहा है कि इस बार मिनी ऑक्शन का आयोजन भारत में ही हो होगा। वहीं नीलामी से एक सप्ताह पहले एक ट्रेड विंडो खुली रहेगी, जिससे टीमों के लिए खिलाड़ियों को ट्रेड करना आसान रहेगा। ऐमें में कई खिलाड़ी इधर से उधर हो सकते हैं। अब तक, आईपीएल 2027 के लिए केवल एक बड़ी ट्रेड डील सामने आई है। ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़कर दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौट गए हैं, जहाँ उन्हें 15 करोड़ रुपये मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि लखनऊ में उन्हें 27 करोड़ रुपये मिल रहे थे। इस बीच, कुलदीप यादव भी दिल्ली छोड़कर लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल हो गए हैं। यह सिर्फ शुरुआत है, और आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले कई और हैरान वाली ट्रेड डील देखने को मिल सकती हैं, जो टीमों की रणनीतियों को पूरी तरह बदल सकती हैं। संभावित ट्रेड डीलस की सूची में सबसे ऊपर हार्दिक पांड्या का नाम है। मुंबई इंडियंस के इस धाकड़ ऑलराउंडर के टीम छोड़ने की खबरें लगातार आती रही हैं। उनका नाम चेन्नई



सुपर किंग्स (सीएसके), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स जैसी कई बड़ी टीमों से जोड़ा गया है। वर्तमान हालातों को देखें तो कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक की सबसे ज्यादा जरूरत प्रतीत होती है। हार्दिक के आने से केकेआर की कप्तानी की चिंता दूर हो जाएगी और एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम को मजबूती मिलेगी। इसके बदले में कोलकाता, मुंबई इंडियंस को कैमरून ग्रीन भेज सकती है, जो एक तरह से लाइक-टू-लाइक ट्रेड होगा और दोनों टीमों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

इसी सूची में एक और संभावित मुंबई-कोलकाता डील शामिल है, जिसमें सूर्यकुमार यादव का नाम भी सामने आया है। केकेआर को एक कप्तान की सख्त जरूरत है, और ऐसे में सूर्यकुमार एक मजबूत विकल्प हो सकते हैं। इन अटकलों को पूर्व क्रिकेटर राबिन उथप्पा ने हवा दी थी, जिन्होंने सूर्या के मुंबई से कोलकाता जाने की संभावना पर चर्चा की थी। यह भी उल्लेखनीय है कि सूर्यकुमार यादव 2014 से 2017 तक चार सीजन के लिए पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं। हालांकि, इस संभावित ट्रेड डील को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

‘सेवा और सुशासन के संकल्प के 1.25 लाख दीपों से जगमगाया मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला’

“आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने एक साथ प्रज्वलित किए दीप’

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा, समर्पण, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। शाम 7 बजे जिला मुख्यालय सहित जिलेभर के चिन्हित स्थलों पर एक साथ 1.25 लाख दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से जिला सेवा, सुशासन, जनकल्याण और जनभागीदारी के सामूहिक संकल्प से जगमगा उठा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा से जुड़े इस आयोजन में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक



सहभागिता निभाई। जिला मुख्यालय मोहला के मिनी स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में करीब 11 हजार दीपों से स्टेडियम जगमगा उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजनांदगांव लोकसभा सांसद श्री संतोष पांडे ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती गैद कुंवर ठाकुर, जनप्रतिनिधि श्री अनिल गुप्ता, श्री रमेश हिड़मं, श्री लक्ष्मेश शाह, जिला पंचायत सदस्य श्री नरसिंह भंडारी,कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री उज्ज्वल पोवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, शासकीय कर्मचारी,

स्कूली बच्चे एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर छत्तीसगढ़ के नक्शे की आकर्षक रोशनी बनाई गई, जो आयोजन का विशेष आकर्षण रही। रोशनी के माध्यम से प्रदेश की एकता और जनभागीदारी का संदेश प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। सांसद श्री संतोष पांडे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की यात्रा है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शासकीय जिम्मेदारी संभालने के बाद से वे निरंतर जनता की सेवा और देश के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सेवा संकल्प रथ को दिखाई हरी झंडी



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत सूरजपुर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सेवा संकल्प रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न विकासखंडों में पहुंचकर केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाएगा। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सेवा संकल्प रथ के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी विकासखंड स्तर से गांव गांव तक पहुंचाई जाएगी, ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं को समझ सकें और उनका लाभ लेने के लिए जागरूक हो सकें। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। रथ यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ लोगों को शासन की विकास यात्रा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ पर गुंजा नशा मुक्ति का संदेश



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम मैदान में नशा मुक्ति एवं जनजागरूकता को लेकर नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या अम्बिकापुर की छात्राओं ने प्रभावशाली नुककड़ नाटक प्रस्तुत कर युवाओं और आम नागरिकों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और उसके व्यक्ति, परिवार तथा समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। नाटक में बताया गया कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही पौरवार्तिक संबंधों में तनाव, आर्थिक परेशानियों और विभिन्न सामाजिक समस्याओं का कारण बन सकती है। नुककड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए नशा मुक्ति के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस जशपुर में जगमगाए 5 लाख दीप



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस जशपुर जिले में ‘आशीर्वाद का एक दीया’ कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, सहभागिता और संकल्प का संदेश शहर से गांव तक पहुंचा। गुरुवार शाम 7 बजे जिले में 5 लाख दीप प्रज्वलित करने के लक्ष्य के साथ आयोजित कार्यक्रम में रणजीता स्टेडियम सहित प्रमुख चौक-चौराहे दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। रणजीता स्टेडियम, गौरव पथ, महारणजा चौक, दिलीप सिंह जुदेव प्रतिमा चौक और बिरसा मुंडा चौक सहित विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने ‘आशीर्वाद का एक दीया’ प्रज्वलित कर सेवा संकल्प अभियान में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद

भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, सहित जनप्रतिनिधियां कलेक्टर श्री रोहित व्यास सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। विकासखंडों और ग्राम पंचायतों तक पहुंची दीपों की रोशनी ‘आशीर्वाद का एक दीया’ कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा। जिले के सभी विकासखंडों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक दीप प्रज्वलित कर सेवा संकल्प अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से लेकर गांवों तक दीपों की रोशनी ने अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया। 1.40 लाख से अधिक महिलाओं ने घरों में जलया दीप जिले के स्व-सहायता समूहों से जुड़ी

1 लाख 40 हजार से अधिक महिला सदस्यों ने अपने घरों में ‘आशीर्वाद का एक दीया’ जलाकर अभियान में सहभागिता निभाई। जिले में 12 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं। कृषि सखी, पशु सखी, मुद्रा लेन सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़ी महिलाओं की सहभागिता ने अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। सेवा भावना और जनभागीदारी को मिलेगा विस्तार कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनसेवा के प्रति आधार व्यक्त करने और विकसित भारत/2047 के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

अभियान के तहत स्कूली बच्चों के लिए भाषण, चित्रकला एवं रोशनी प्रतियोगिताएं, पौधरोपण, स्वच्छता जागरूकता, जिला प्रदर्शनी, सफलता की कहानियां, सड़क सुरक्षा साप्ताह, बाइक रैली, रक्तदान शिविर, नशामुक्ति अभियान और मतदाता जागरूकता सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जांजगीर-चांपा जिले में आज जनभागीदारी के साथ ‘आशीर्वाद का दीप’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर रेटे कार्यालय सहित जिले के विभिन्न शासकीय कार्यालयों तथा प्रमुख सार्वजनिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों



पर दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से जिले के प्रमुख स्थल जगमगा उठे और सेवा, सुशासन, जनकल्याण एवं राष्ट्रनिर्माण के संकल्प का संदेश दिया गया।दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों

हसदेव नदी के कुदरी बैराज तट पर जगमगाए ‘आशीर्वाद का दिया’



कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विकसित भारत 2047 और प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े संदेशों को दर्शाती आकर्षक रोशनी रही। रंग-बिरंगे रंगों से सजी रोशनी के मध्य प्रज्वलित ‘आशीर्वाद का दीया’ ने कार्यक्रम

को विशेष स्वरूप दिया। हसदेव नदी के तट पर दीपों की रोशनी और रोशनी के माध्यम से विकास, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर इंजी. मंजूषा पाटले, श्री सुशील सिंह, श्री सतीश शर्मा, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री सुधीर सुखदेव, तहसीलदार श्री शशिभूषण सोनी, एसडीओ श्री रविकांत तथा ग्राम पंचायत कुदरी के सरपंच प्रतिनिधि श्री आर.के. यादव सहित अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ पर जीपीएम में प्रज्वलित हुए आशीर्वाद के दो लाख दीप



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा, समर्पण और संघर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के शुभारंभ अवसर पर आज गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के तहत दो लाख दीप प्रज्वलित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम मल्टीपर्स स्कूल मैदान, पेंड्रा में आयोजित हुआ, जहां 11 हजार दीपों के सामूहिक प्रज्वलन से पूरा परिसर जगमगा उठा। दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद व्यक्त किया गया। जिले में दीप प्रज्वलन का यह आयोजन केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा। दुर्गा सरोवर पेंड्रा सहित सभी अमृत सरोवरों, ग्राम पंचायतों, ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों तथा विभिन्न शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं में भी दीप प्रज्वलित किए गए। जिलेभर में आयोजित सामूहिक दीप प्रज्वलन से सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश प्रसारित हुआ।

विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची के मुख्य आतिथ्य में हुआ मंचीय कार्यक्रम: दीप प्रज्वलन के उपरांत मल्टीपर्स स्कूल पेंड्रा के असेम्बली हॉल में जिला प्रशासन द्वारा मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लगातार 25 वर्षों से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सेवा, समर्पण एवं संघर्ष के साथ देश की सेवा कर रहे हैं। श्री मोदी जनकल्याण और राष्ट्रसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। वे जिस कार्य की ठान लेते हैं, उसे मिशन मोड में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं विधायक श्री मरपच्ची ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आशीर्वाद के दीप प्रज्वलित कर उन्हें शुभकामनाएं दे रहा है। यह आयोजन उनके सार्वजनिक जीवन की सेवा यात्रा के प्रति जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है।

नुककड़ नाटक के माध्यम से प्रदर्शित की गई 25 वर्षों की उपलब्धियां: कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के विगत 25 वर्षों में किए गए विभिन्न कार्यों एवं महत्वपूर्ण पहलों को रचनात्मक रूप में प्रदर्शित किया गया। अंतरिक्ष मिशन, सर्जिकल स्ट्राइक, डिजिटल इंडिया सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और पहलों को प्रस्तुति के माध्यम से दर्शाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनसहभागिता का संदेश दिया।

‘आशीर्वाद के एक लाख दीपों से जगमगाया शिवरीनारायण का महानदी तट’

‘सेवा संकल्प अभियान के तहत भव्य दीप प्रज्वलन, सेवा-सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ जिलेभर में हुआ आयोजन’

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जांजगीर-चांपा जिले में आज सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना का भव्य प्रदर्शन हुआ। शिवरीनारायण स्थित पावन महानदी तट पर आयोजित ‘आशीर्वाद का दीप’ कार्यक्रम में एक लाख दीप प्रज्वलित किए गए। एक साथ जगमगाए दीपों से महानदी घाट का दृश्य आलोकित हो उठा और सेवा, समर्पण तथा विकसित भारत के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचा। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री पवन साय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े, राजेश्वरी श्री महेंद्र राम सुंदर दास, नगर पंचायत शिवरीनारायण अध्यक्ष श्री राहुल शर्मा, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमाय

नागरिक एवं बड़ी संख्या में जिलेवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महानदी घाट पर महाभारती का भी आयोजन किया गया। विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ संपन्न महाभारती से पूरा घाट भक्तिमय वातावरण से भर उठा। विधायक श्री अमर अग्रवाल ने भावना विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ‘आशीर्वाद का दीप’ के माध्यम से जनभागीदारी का यह आयोजन सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। भारतीय संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को सकार करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। ‘आशीर्वाद का दीप’ में प्रज्वलित प्रत्येक दीप विकसित भारत

2047 के संकल्प के प्रति जनभागीदारी और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ये दीप सेवा, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बने हैं। ‘ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्रमुख स्थलों पर भी दीप प्रज्वलन’ ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जांजगीर-चांपा जिले के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी दीप प्रज्वलित किए गए। जिलेवासियों ने अपने-अपने घरों में भी दीप जलाकर अभियान में सहभागिता की। दीपों की रोशनी के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और एकजुटता का संदेश दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित किया जा रहा है। अभियान के दौरान जिले में विभिन्न सेवा, जनकल्याणकारी एवं जनजागरूकता गतिविधियों के साथ जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत, 65 हजार से अधिक दीपों से जगमगाया रणजीता स्टेडियम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए जिलेवासियों ने व्यक्ति की कृतज्ञता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, राष्ट्र के प्रति समर्पण और जनकल्याण के कार्यों के प्रति आधार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से जशपुर जिले में आज ‘सेवा संकल्प अभियान’ का शुभारंभ हुआ। रणजीता स्टेडियम में आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में 65 हजार से अधिक दीप प्रज्वलित कर जिलेवासियों ने सेवा, सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को अभिव्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत, 65 हजार से अधिक दीपों से जगमगाया रणजीता स्टेडियमकार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती रायमुनी भगत सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने दीप प्रज्वलित किए। ‘सेवा संकल्प अभियान’ 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान जनसरोकार और सेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों तथा जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। दीपों से साकार हुआ प्रधानमंत्री आवास योजना का संदेश कार्यक्रम में दीपों से प्रधानमंत्री आवास योजना की आकर्षक आकृति



तैयार की गई। इसके माध्यम से ‘5 करोड़ 16 लाख 50 हजार 297 आवास राष्ट्र को समर्पित’ का संदेश प्रदर्शित किया गया। पक्की छत के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के जनकल्याणकारी प्रभाव को दीपों की रोशनी के माध्यम

से प्रदर्शित किया गया। विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग थीम के साथ दीप प्रज्वलन ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के तहत जशपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर जनकल्याणकारी योजनाओं और महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित अलग-अलग थीम तैयार की गई। मनोरं में ‘ऑपेन स्ट्रूट’ और सन में ‘पीपुल्स जन्मन’ सहित विभिन्न विषयों को दीपों के माध्यम से प्रदर्शित

किया गया। इन आयोजनों में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवा, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूती दी। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भागत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जुदेव, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

65 हजार से अधिक दीपों से रोशन हुआ रणजीता स्टेडियम

रणजीता स्टेडियम में आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्टेडियम में 65 हजार से अधिक दीपों के प्रज्वलन से पूरा परिसर जगमगा उठा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के माध्यम से जशपुर जिलेवासियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश विकास और जनकल्याण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।